



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर फिल्म गदर 2 के निर्देशक एवं कलाकारों ने शिष्टाचार भेंट की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया



actionindiaddn@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 225 पृष्ठ: 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

उत्तराखण्ड संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड



चांद पर चंद्रयान बोला- मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया, साउथ पोल पर लैंडिंग करने वाला भारत दुनिया का पहला देश, अब चंदामामा दूर के नहीं: पीएम

ऐतिहासिक

8 चंदा मामा के घर 'मेहमान' बनकर पहुंचा भारत, चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग, 8 पीएम मोदी ऐतिहासिक पल के साक्षी बने

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
चांद की धरती पर उतरकर भारत ने बुधवार को इतिहास रच दिया। चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर तय समय पर 6 बजकर 4 मिनट पर चांद के उस हिस्से पर उतरा, जहां आज तक कोई भी नहीं पहुंचा था। इस ऐतिहासिक पल का सीधा प्रसारण होने से पूरा देश चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर कदम रखने की ऐतिहासिक घटना का गवाह बना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने गए साउथ अफ्रीका से इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।
चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना भारत: अमेरिका, रूस और चीन भारत से पहले चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कर चुके हैं, इसलिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मून मिशन पर नासा सहित पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं, क्योंकि इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि आज भारत का चंद्रयान-3 उस जगह पर उतरा है, जहां पर आज तक कोई देश नहीं पहुंच सका था। बेंगलुरु के इसरो कमांड सेंटर में वैज्ञानिकों की पूरी टीम के लिए यह बेहद अहम और तनाव भरा समय रहा, लेकिन भारत के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर जाने वाला दुनिया का पहला देश बनते ही सारे वैज्ञानिक खुशी से झूम उठे और एक दूसरे को बधाई दी। चांद का दक्षिणी ध्रुव बेहद खास और रोचक इसलिए है, क्योंकि यहाँ हमेशा अंधेरा रहता है। इसरो ने चांद के इस हिस्से में मौजूद क्रेटरस में सोलर सिस्टम के जीवाश्म होने की संभावना भी जताई है। चंद्रयान-3 से भेजा गया प्रज्ञान रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर घूम कर इन सब बातों का पता लगाएगा।



यह क्षण भारत के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। अमृतकाल में अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। नया इतिहास बनते ही हर भारतीय जश्न में डूब गया है। पहले कहा जाता था कि चंदा मामा बहुत दूर के हैं। एक दिन ऐसा आएगा कि बच्चे कहेंगे चंदा मामा बस दूर के हैं।



-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अब क्या-क्या शोध करेगा प्रज्ञान रोवर: भारत का चंद्रयान-3 मिशन अब तक के मिशनों से अलग है। इस मिशन से व्यापक भौगोलिक, मौसम सम्बन्धी अध्ययन और चंद्रयान-1 द्वारा खोजे गए खनिजों का विश्लेषण करके चंद्रमा के अस्तित्व में आने और उसके क्रमिक विकास की और ज्यादा जानकारी मिल पाएगी।



चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग पर इसरो वैज्ञानिकों ने जश्न मनाया।



विक्रम लैंडर ने खुद तलाशी लैंडिंग की जगह

इसरो के मुताबिक चांद पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति धरती की अपेक्षा 1/6 कम है। यानी वहां गिरने की गति ज्यादा तेज है, क्योंकि वहां वायुमंडल नहीं है, इसलिए घर्षण से गति कम करने की कवायद भी नहीं की जा सकती थी। इसलिए जब विक्रम लैंडर ने 25 किमी. की ऊंचाई से चांद की सतह पर उतरना शुरू किया, तो उसके नीचे लगे चारों इंजनों को ऑन कर दिया गया। इस तरह जो इंजन अभी तक विक्रम लैंडर की आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे, वही इंजन विपरीत दिशा में दबाव बनाकर विक्रम की गति को कम करके 2 मीटर प्रति सेकंड पर ले आये और लैंडिंग से कुछ सेकंड पहले गति जीरो कर दी गई। यह सारा काम विक्रम लैंडर में मौजूद ऑनबोर्ड



कंप्यूटर ने किया। उसमें लगे सेंसरस ने सही और गलत जगह की तलाश की और फिर विक्रम लैंडर अपने चारों पैरों के सहारे आराम से चांद की सतह पर उतर गया।
चंदा मामा के दूर के नहीं, एक दूर के: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर वैज्ञानिकों को

बधाई दी। उन्होंने कहा- यह क्षण भारत के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। अमृतकाल में अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं।

नया इतिहास बनते ही हर भारतीय जश्न में डूब गया है। पहले कहा जाता था कि चंदा मामा बहुत दूर के हैं। एक दिन ऐसा आएगा कि बच्चे कहेंगे चंदा मामा बस दूर के हैं।
तब रूस के नाम हो जाता यह रिकॉर्ड: भारत से पहले रूस चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लूना-25 यान उतारने वाला था। 21 अगस्त को यह लैंडिंग होनी थी, लेकिन आखिरी ऑर्बिट बदलते समय रास्ते से भटक गया और चांद की सतह पर क्रैश हो गया। चंद्रयान-3 आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को 3 बजकर 35 मिनट पर लॉन्च हुआ था। इसे चांद की सतह पर लैंडिंग करने में 41 दिन का समय लगा। धरती से चांद की कुल दूरी 3 लाख 84 हजार किलोमीटर है।

साउथ पोल पर ही मिशन क्यों भेजा गया?



चंद्रमा के पोल रीजन दूसरे रीजन से काफी अलग हैं। यहां कई हिस्से ऐसे हैं जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक चला जाता है। ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां बर्फ के फॉर्म में अभी भी पानी मौजूद हो सकता है। भारत के 2008 के चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था। इस मिशन की लैंडिंग साइट चंद्रयान-2 जैसी ही है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास 70 डिग्री अक्षांश पर। लेकिन इस बार एरिया बढ़ाया गया है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी 2.5 किमी है। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया है। चंद्रमा पर उतरने वाले पिछले सभी स्पेसक्राफ्ट भूमध्यरेखीय क्षेत्र में, चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण में कुछ डिग्री अक्षांश पर उतरे हैं। इस बार लैंडर में 5 की जगह 4 इंजन क्यों? इस बार लैंडर में चारों कोनों पर चार इंजन (श्नर) लगाए गए। पिछली बार चंद्रयान-2 के बीचो-बीच लगा पांचवां इंजन हटा दिया गया। फाइनल लैंडिंग दो इंजन की मदद से ही हुई। दो इंजन इसलिए बंद रखे गए ताकि इमरजेंसी में ये काम कर सकें। चंद्रयान 2 मिशन में आखिरी समय में पांचवां इंजन जोड़ा गया था। इंजन इसलिए हटाया गया, ताकि ज्यादा फ्यूल साथ ले जाया जा सके।

क्या होती है सॉफ्ट लैंडिंग

भारत ने पहली बार किसी उपग्रह पर अपने किसी यान की सॉफ्ट लैंडिंग कराई है। सफल होने पर भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है, जिसके पास सॉफ्ट लैंडिंग की स्वदेशी तकनीक है। सॉफ्ट लैंडिंग में खतरा भी बहुत होते हैं और तमाम सावधानियां भी बरतनी पड़ती हैं। हवाई जहाज से कूटने पर थोड़ी ऊंचाई के बाद पैराशूट खोलकर जमीन पर उतरने को भी 'सॉफ्ट लैंडिंग' कहा जाता है।

चंद्रयान-3 की सफलता पर, वैज्ञानिकों ने बताया इसे जीवन का यादगार लम्हा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारत ने चांद पर कदम रख कर इतिहास रच दिया है। चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने खुशी जताई। बुधवार को सफल मिशन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर अपनी टीम को बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मिशन-2 की विफलता से बहुत कुछ सीखा और आज हम सफल हुए। चंद्रयान से मिलने

वाली जानकारी के लिए अभी अगले 14 दिनों का इंतजार किया जा रहा है। इसरो की उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर अपनी टीम को बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मिशन-2 की विफलता से बहुत कुछ सीखा और आज हम सफल हुए। चंद्रयान से मिलने

इंक्वूवास टीम ने किया छावनी नागरिक अस्पताल का निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)
अंबाला छावनी सिविल अस्पताल मे इनक्वास की राज्य स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को जांचा। इस दौरान डॉ पुनम दहिया, डॉ पूर्ण चौधरी मैडिकल सुपरीडेंट, डॉ मनोज गोस्वामी, डॉ विष्णु शर्मा, इफैक्शन कंट्रोलर अलिजा बैथ मौजूद थी। अंबाला छावनी नागरिक अस्पताल पहुंचे पर डॉ राकेश सैहल व उनकी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस टीम ने सबसे पहले ओपीडी की व्यवस्थाओं को देखा तथा यह भी जांचा की अस्पताल में किस प्रकार से सफाई व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने वहां मौजूद रोगियों से भी बात की। राकेश कुमार ने बताया कि स्टेट असेसमेंट द्वारा आज हस्पताल का निरक्षण किया जायेगा और वो हस्पताल में जो भी देखना चाहेंगे देख सकते है हमारी टीम उनके



साथ रहेगी ! उन्होंने बताया कि आज हमारे यहां यमुनानगर से स्टेट असेसमेंट आई जिसमें चार लोग हैं उसमे उनकी सीनियर लीडर है और उनके साथ तीन डॉक्टर और है ! उन्होंने बताया की ये टीम स्वतंत्र है जो भी वार्ड देखना चाहे । गाइनी देखना चाहे ए ज्वक देखना चाहे ए

लैब देखना चाहे या फिर हस्पताल का कोई भी वार्ड देखना चाहे देख सकते है और अपनी रिपोर्ट बनाकर सौंप सकते है ! इसके लिए उन्होंने सरकार को समिट कराएँ ! उन्होंने कहा की ये टीम स्वतंत्र है जो भी वार्ड देखना चाहे । गाइनी देखना चाहे ए ज्वक देखना चाहे ए

सफाई व्यवस्था
अंबाला छावनी नागरिक अस्पताल पहुंचे पर डॉ राकेश सैहल व उनकी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया

कहा की हस्पताल में मेंटेनस काफी अच्छा है पैसेटस लोड भी बहुत अच्छा है इतनी ज्यादा कमियां नहीं है हस्पताल में । उन्होंने हस्पताल की सफाई व्यवस्था को काफी सराहा। उन्होंने बताया की अभी हम सारे हस्पताल का निरक्षण करके उसके बाद जो स्कोर देगे उसमे जो कमियां होंगी उनको बोर्डलाइट करेंगे लेकिन ऐसा अभी कुछ नहीं है ! उन्होंने बताया की पिछले हफ्ते भी हमारी टीम यहां का निरक्षण करके जा चुकी है तब भी हमे बहुत अच्छी व्यवस्था मिली।

कुछ समय हुई बरसात से अंबाला हुआ जलमग्न



टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)
सुबह से हुई बरसात के कारण कई स्थानों पर पानी भर गया। जिसके चलते लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालात ये थे कि जण्डली मुख्य मार्ग पर तो लोगों का निकलना तो बेहद मुश्किल हो रहा था। यहां पर सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। इसके साथ ही शहर की कपड़ा मार्केट में भी जलभराव के कारण परेशानी बनी रही। नदी मोहल्ले में कई घण्टों तक पानी जमा रहा। जिसके चलते राहगीरों को चलने

में भारी परेशानी हुई। हालांकि बरसात के कारण एक ओर जहां लोग परेशान थे तो दूसरी ओर लोगों को गर्मी से भी राहत मिली। सुबह लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। तड़के से आसमान में बादल छाप हुए थे जो सुबहपुसुबह गरजघण्टक के साथ झमाझम बरसे। मौसम विभाग ने सुबह 4 से 8 बजे तक हुई 53.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है। विभाग ने अंबाला के साथ यमुनानगर पंचकुला कुरुक्षेत्र करनाल और कैथल में 27 अगस्त तक कहीं बूंदबांदी तो कहीं अच्छी बारिश होने की संभावना जताई है।

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में ड्राइविंग सिम्युलेटर का किया शुभारंभ



टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
राजकीय बहुतकनीकी संस्थान अंबाला शहर मे आटोमोबाइल ब्रांच के विद्यार्थियो मे ड्राइविंग कौशल को बढ़ावा देने के लिए ड्राइविंग सिम्युलेटर का शुभारंभ संस्थान के प्रधानाचार्य डा राजीव सपरा द्वारा किया गया । इस अवसर पर आटोमोबाइल

विभागाध्यक्ष रविंद्र साई ने बताया कि यह ड्राइविंग सिम्युलेटर विद्यार्थियों मे ड्राइविंग कौशल को बढ़ाने मे मददगार साबित होगा । इस अवसर पर उन्होने बताया कि यह ड्राइविंग सिम्युलेटर विद्यार्थियों को ड्राइविंग सिखाने के साथ साथ उन्हे ट्रैफिक नियमो की भी जानकारी देगा और इससे विद्यार्थियों को अलग अलग

मददगार
विभागाध्यक्ष ने बताया कि यह ड्राइविंग सिम्युलेटर विद्यार्थियों मे ड्राइविंग कौशल को बढ़ाने मे मददगार साबित होगा

सड़क मार्गों व मौसम परिस्थितयो मे ड्राइविंग का अनुभव मिलेगा । यह ड्राइविंग सिम्युलेटर विद्यार्थियों को ड्राइविंग की बारीकिया भी सिखाएगा । इस अवसर पर मुनीष गुप्ता , कुलबीर लठवाल , नवनीत गुप्ता , सुरेंद्र मलिक , इंद्रजीत सिंह , राकेश मनचंदा, आकाश गोदारा इत्यादि उपस्थित थे

सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा ने निगम के जोहड़ों की खुदाई शुरू करवाई



टीम एक्शन इंडिया/ सोनीपत
गत दिवस सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा राठवना ने नगर निगम आयुक्त विश्राम कुमार मीना के साथ गाँव राठवना में लंबे समय से अतिप्रवाहित हुए जोहड़ों की खुदाई का कार्य शुरू कराया। सीनियर डिप्टी मेयर ने बताया कि ग्रामीणों ने जोहड़ों के पानी की निकासी की समस्या उनके समक्ष रखी थी। जिनके उपरंत उन्होंने नगर निगम से करीब 1 करोड़ रुपये का निगम क्षेत्र के जोहड़ों की खुदाई का काम पास करवाया जिसका कार्य शुरू हो गया है। इसमें मुख्य रूप से गाँव के जोहड़ों का पानी निकालना, उनकी खुदाई कराना व गाद निकालना है। ग्रामीणों ने सीनियर मेयर राजीव सरोहा राठवना का आभार जताया। आई.ए.एस. विश्राम कुमार

अदालत के फैसले के बाद कपड़ा मार्केट में लगी रेहड़ियां

आभार
वे कोर्ट का धन्यवाद करते है जिसके कारण उन्हे पहले की तरह पुराने स्थान पर ही अपनी रेहड़ियां लगाने का अवसर दिया



टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)
2 महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद आखिरकार रेहड़ी फड़ी वालों को थोड़े समय के लिए ही सही पर राहत मिल गई है। पिछले कई दिनों से चले आ रहे रेहड़ी फड़ी संचालकों के धरने के बाद मामला स्थानीय कोर्ट में पहुंचा जहां पर जे एम आई सी मुकेश कुमार के आदेशों पर बस स्टैंड के बाहर लगने वाली रेहड़ियों को अब अगले आदेशों तक नहीं हटवा जा सकना। जिससे रेहड़ी संचालकों में भी खुशी की लहर है। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से उनका काम बंद पड़ा है जिसके चलते उन्हे अपना गुजारा चलाने में भी परेशानी हो रही थी। लेकिन अब कोर्ट के आदेशों के बाद उन्हे राहत मिली है। आज इसी के चलते रेहड़ी फड़ी वालों ने डोल बजाकर व मिठाई बाँटकर अपनी खुशी जाहिर कि। जजपा नेता विवेक लालाना ने बताया कि उनकी लड़ाई सच्चाई की लड़ाई थी। इसलिए वे अपनी लड़ाई में जीते है। उन्होंने कहा कि इस दौरान कई ताकतवर लोगों ने उनके धरने को समान्य करना भी चाहा लेकिन वे अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि वे न्यायापालिका का

धन्यवाद करते है जिसके कारण उन्हे पहले की तरह पुराने स्थान पर ही अपनी रेहड़ियां लगाने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है जिसके चलते कोर्ट ने उनकी समस्या को देखते हुए उनके पक्ष में फैसला दिया है। इस मौके पर आप नेत्री चित्रा सरवार, संजय लाखड़ा, प्रधान रामनाथ, विनोद धीमान, कुलदीप सिंह मुलतानी, एडवोकेट धर्म सिंह व एडवोकेट सर्वजीत सिंह व कई अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। इस मौके पर सभी नेताओं का कहना था कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष या पार्टी कि नहीं थी यह लड़ाई मुद्दे कि थी। इसी के चलते यह जीत मुमकिन हो पाई है। आज रेहड़ी फड़ी वालों ने डोल नगाड़ों के साथ अपनी खुशी जाहिर कि और रेहड़ी फड़ियां लगाईं। कोर्ट ने स्टे देते हुए कहा कि स्ट्रीट वैडर को निगम की ओर से ही प्रमाण पत्र दिया गया है। जिसके आधार वे अपनी आजीविका चलाने के लिए उल्लेखित स्थानों पर अपनी रेहड़ियां लगा सकते है। कोर्ट ने आदेश दिये है कि रेहड़ी

संचालकों ने प्रमाण पत्रों की शर्तों का कोई भी नियम नहीं तोड़ा हैइसी आधार पर उन्हे अपना काम करने का अधिकार है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले में निगम अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया। जिसके चलते निगम की ओर से 12 सितंबर को जवाब दिया जाएगा। फिलहाल रेहड़ी संचालकों ने अपनी रेहड़ियां वहां पर लगा ली है और उनमे खुशी की लहर है। इसी दौरान जब रेहड़ी संचालकों ने अपनी फड़ियां लगानी चाही तो दो महिलाओं ने विरोध जताते हुए कहा कि वहां पर उनकी भी जगह है उन्होंने आरोप लगाया कि रेहड़ी फड़ी वालों ने उनके बेटे पर गलत आरोप लगाते हुए गिरफ्तार करवाया है। वहीं दूसरी महिला चोंदनी ने बताया कि वह वह भी पहले धरने पर बैठी थी लेकिन जब रेहड़ी फड़ी वालों ने विधायक असीम गोयल को गलत बोला तो उसने धरने से मूँह फेर लिया था। उसने कहा कि वहां पर उसकी भी जगह है लेकिन आज उसे वहां पर रेहड़ी नहीं लगाने दी जा रही है।

मुआवजे की मांगों को लेकर अनाज मंडी में किसानों का धरना शुरू

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)
बाढ़ से नुकसान के मुआवजे की मांग को लेकर चंडीगढ़ कूच करने पर अड़े किसान अब अंबाला सिटी की अनाज मंडी में धरना देंगे। हालांकि, इससे पहले किसानों ने अंबाला-हिसार हाईवे पर गांव बलाना में सर्विस लाइन पर धरना देने का ऐलान किया था। इसी सिलसिले में बलाना गुरुद्वारा में किसानों की मीटिंग हुई, जिसमें सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है कि सरकार के साथ मीटिंग होने तक सभी किसान अनाज मंडी में धरना देंगे। अगर वार्ता विफल रहती है तो आगामी रणनीति तैयार करके बड़ा फैसला लिया जाएगा। बता दें कि मंगलवार को प्रशासन और किसानों के बीच दिनभर



नोकझोंक चली। ऊऊ डॉ. शालिन ने बतौर जिला मजिस्ट्रेट अंबाला में धारा 144 लागू कर दी है। मंगलवार देर रात तक किसानों की रिहाई होने के बाद किसान थोड़ा शांत हुए। किसानों ने आज मीटिंग बुला आगामी रणनीति तैयार करने का फैसला लिया है। हालांकि, देर रात सभी किसानों को रिहा

किया गया, जिसके बाद किसान नेता सुरेश कौथ ने कहा कि हरियाणा सरकार के साथ 24 अगस्त मीटिंग रखी गई है। पुलिस ने किसानों को रिहा करने की बात कही है। जब तक पंजाब के शहीद हुए किसान का अंतिम संस्कार नहीं हो जाता और किसानों की अन्य मांगें पूरी नहीं होती। तब तक

विरोध
सरकार के साथ मीटिंग होने तक सभी किसान अनाज मंडी में धरना देंगे। अगर वार्ता विफल रहती है तो आगामी रणनीति तैयार करके बड़ा फैसला लिया जाएगा

बलाना में सड़क किनारे धरना देंगे। पुलिस ने 100 से अधिक किसानों को हिरासत में लिया हुआ था। किसान नेता सुरेश कौथ ने कहा कि चंडीगढ़ कूच का प्रोग्राम केवल हरियाणा के किसानों का नहीं है, जब तक पंजाब के किसानों का मसला हल नहीं होता तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे।

दूसरे दिन भी केमिकल फैक्ट्री में सुलगती रही आग, दमकल विभाग का आग बुझाने का प्रयास जारी

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
बड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 स्थित साई एग्जिम केमिकल फैक्ट्री में मंगलवार की सुबह लगी आग पर दूसरे दिन भी पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। दूसरे दिन फैक्ट्री के अगले हिस्से की ही आग पर काबू पाया जा सका, जबकि पिछले हिस्से में अब भी आग सुलग रही है। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरे दिन भी फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे मैकेनिक नफीस का कोई पता नहीं चल पाया है। नफीस की तलाश के लिए फैक्ट्री के अगले हिस्से का मलबा निकलवाया जा रहा है। फैक्ट्री के बाहर नफीस के गांव वालों का लगा तांता लगा रहा। इसी बीच सोनीपत विधायक सुरेंद्र पंवार भी घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने नफीस के स्वजन से मिल कर उनका ढाढस बंधाया। इसके साथ ही उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद बड़ी एसोसिएशन के प्रधान नवीन कोशिक से जानकारी ली और ज़रूरत पड़ने पर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। **नफीस की तलाश में हाइड्रा व जेसीबी मदद से निकलवाया जा रहा है मलबा**
-नफीस की तलाश के लिए हाइड्रा व जेसीबी की मदद ली जा रही है। हाइड्रा की मदद व जेसीबी की फैक्ट्री के मलबे को

तलाश जारी
फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे मैकेनिक नफीस का भी नहीं लगा सुराग, मलबा निकालने काम शुरू

बाहर निकाला जा रहा है। वहीं हाइड्रा की मदद से एक व्यक्ति को फैक्ट्री की छत तक पहुंचाया गया और छत पर बने कमरों की भी जांच करवाई गई, लेकिन किसी भी कमरे में नफीस नहीं मिला। बेटे को बचाने गया था लेकिन खुद नफीस फैक्ट्री में फंसा बागपत के खेड़ा हटाना गांव का रहने वाला 50 वर्षीय नफीस फैक्ट्री में अपने छोटे बेटे रिहान के साथ मेंटेनेंस का काम कर रहा था। नफीस छत पर काम कर रहा था, जबकि रिहान नीचे मौजूद था। इसके बाद फैक्ट्री में आग लग गई। इसी बीच रिहान अपने पिता का आवाज देता हुए सीढ़ियों तक पहुंचा तो फैक्ट्री में धुआ फैल गया, जिस वजह से उसे दिखना भी बंद हो गया। जिस वजह से वह किसी तरह से फैक्ट्री से बाहर निकल आया। नफीस भी आग लगने के बाद बाहर निकलने लगा तो उसे लगा कि उसका बेटा रिहान अंदर ही रह गया है। जिसके बाद वहां फैक्ट्री में अपने बेटे को ढूंढने लगा और अंदर ही फस कर रह गया।

विधायक सुरेंद्र पंवार ग्रामीणों के साथ पहुंचे पावर हाऊस, 24 घंटे बिजली की मांग

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत।
विधायक सुरेंद्र पंवार गांव फाजिलपुर व गढ़ शहजानपुर के ग्रामीणों के साथ फाजिलपुर स्थित पावर हाऊस पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने यूएचबीवीएन के चीफ इंजीनियर से बात कर ग्रामीणों को 24 घंटे बिजली मुहैया करवाने के प्रस्ताव पर जल्द ही स्वीकृति देने के निदेश दिए। इसके साथ ही संबंधित एक्सईएन को भी मामले में गंभीरता से कार्रवाई करने के निदेश दिए।



वाली बिजली में कटौती कर करीब 20 घंटे बिजली दी जाने लगी। जिसका ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे है। मामले से अवगत होने के उपरंत विधायक सुरेंद्र पंवार ने एक्सईएन सब अर्बन को पुनः 24 घंटे बिजली शुरू करने के निदेश दिए। ग्रामीणों की मांग

पर एक्सईएन ने डिमांड मुख्यालय में भेज दी थी। लेकिन करीब 20 दिन बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने शेष व्यक्त किया और पावर हाऊस पर पहुंच गए। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए विधायक सुरेंद्र पंवार भी उनके साथ पावर हाऊस पर पहुंचे और

सम्बंधित अधिकारियों से कार्य की रिपोर्ट मांगी। इसके बाद विधायक सुरेंद्र पंवार ने चीफ इंजीनियर को फोन करके मांग को तुरंत स्वीकृत कर सोनीपत भेजने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही ग्रामीणों की मांग को स्वीकृत कर सोनीपत भेजा दिया

ब्लॉक लेवल पर चल रही खेल प्रतियोगिताओं में बिरला स्कूल के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

खरबौदा/सोनीपत-सोमपाल सैनी
स्कूल कार्यक्रमी अधिकारी सिकंदर दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि खरखौदा में ब्लॉक लेवल पर चल रही खेल प्रतियोगिताओं में बिरला स्कूल के खिलाड़ियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए अंडर 17 आयुवर्ग में 9वीं कक्षा के खिलाड़ी नमन ने 1500 मीटर की दौड़ में पहला स्थान तो 800 मीटर की दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी जीत की श्रृंखला को जारी रखते हुए 10वीं कक्षा के खिलाड़ी नीशू ने 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त करते हुए अपने विद्यालय को जीत दिलवाई है। इसके अलावा 11वीं कक्षा के खिलाड़ी दीपक ने 1500 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में दूसरा स्थान और

उपलब्धि
खिलाड़ी नमन ने 1500 मीटर की दौड़ में पहला स्थान तो 800 मीटर की दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया है



गोल्ड मेडल हासिल किया। सिर्फ लड़कियां ही नहीं लड़के भी किसी भी प्रतिस्पर्धा में पीछे नहीं होते इन्होंने भी अपने खेल अभिरुचियों का बेहतर दर्शन किया और नौवीं कक्षा के खिलाड़ी शर्शांत ने अंडर-14 प्रतियोगिता में खेल कर

बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक हासिल किया। विद्यालय पहुंचने पर सभी विजेता छात्रों का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। सिकंदर दहिया का कहना है कि यह बच्चों के परिश्रम और मेहनत का ही परिणाम है कि अनेक स्कूलों में

उन्होंने बिरला स्कूल के नाम को जीत हासिल कर स्वर्ण अक्षरों में अंकित करवा दिया है उन्होंने विजेता छात्रों को फूल मालाएं पहनाई और उन्हें सम्मानित किया। निदेशक प्रवीण डागर ने बच्चों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा

कि जिस तरह ब्लॉक लेवल में जीत कर छात्रों ने अपने विद्यालय की जान को चार चांद लगाए हैं इस तरह का प्रदर्शन उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं को जीतकर देना है। वहीं प्राचार्य दिनेश शर्मा ने कहा कि विजेता छात्रों को अपनी ब्लॉक लेवल की जीत को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी जारी रखना है इन विभिन्न प्रतियोगिताओं को जीतने के पश्चात बच्चों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। प्रबंधक कुलदीप दहिया ने कोच रविंद्र लखो, सिंचपाल शर्मा और नीरज कुमार तथा बच्चों दोनों के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को सदा विजयी रहने का आशीर्वाद दिया।

रेप: आरोपित व उसकी पत्नी न्यायिक हिरासत में भेजा

खाखा की पत्नी सीमा रानी को कोर्ट ने पहले ही हिरासत में भेजा था, खाखा पर आरोप है कि उसने अपनी दोस्त की नाबालिग बेटी के साथ नवंबर 2020 और जनवरी 2021 के बीच कई बार रेप किया

शिकंजा

► खाखा और उसकी पत्नी सीमा रानी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली/दीपचंद्र काण्डपाल दिल्ली के तीस हजार कोर्ट ने दोस्त की नाबालिग बेटी के साथ रेप करने के आरोपित दिल्ली सरकार के अधिकारी प्रेमोदय खाखा और उसकी पत्नी सीमा रानी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया था। दोनों की पुलिस हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। 22 अगस्त को कोर्ट ने प्रेमोदय खाखा को हिरासत में भेजा था। दिल्ली पुलिस ने खाखा को 21 अगस्त को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। खाखा की पत्नी



15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के मामले में डीसीडब्ल्यू ने पुलिस को नोटिस दिया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने 15 साल की एक लड़की से रेप के मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। डीसीडब्ल्यू को लड़की के पिता से शिकायत मिली, जिन्होंने डीसीडब्ल्यू को बताया कि वह अपने परिवार के साथ मदनगिर, अबैडकर नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया है कि 23 अप्रैल, 2023 की रात में उनकी बेटी लापता हो गई और जब उन्होंने दिल्ली पुलिस के सामने शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें सुबह तक इंतजार करने के लिए कहा गया। सुबह बच्ची वापस आई तो उसने बताया कि वह छत पर सो

रही थी। पिता ने बताया है कि घटना के बाद लड़की का व्यवहार एकदम से बदल गया और वह शांत और अलग-थलग रहने लगी। विशेषज्ञों द्वारा उसकी काउंसलिंग भी करवायी गयी लेकिन समय के साथ उसकी हालत बिगड़ती गई और उसको पैनिक अटैक आने लगे। 17 अगस्त को लड़की को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पता चला कि वह 3-4 महीने की गर्भवती है। काउंसलिंग के दौरान पता चला कि उनके पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने 23अप्रैल, 2023 की रात में उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया था। शिकायतकर्ता ने कहा है कि

सीमा रानी को कोर्ट ने पहले ही हिरासत में भेजा था। खाखा पर आरोप है कि उसने अपनी दोस्त की नाबालिग बेटी के साथ नवंबर 2020 और जनवरी 2021 के बीच कई बार रेप किया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक पीड़िता के पिता की एक अक्टूबर 2020 में मौत हो गई थी, जिसके बाद खाखा ने उसे अपने घर उसकी देखभाल के लिए बुला लिया था। पीड़िता खाखा को मामा कहकर बुलाती थी। खाखा की पत्नी ने पीड़िता को गर्भ हटाने वाली गोली खिलाई थी। दिल्ली पुलिस ने दोनों के खिलाफ पॉक्सो के विभिन्न प्रावधानों के अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2) (एफ), 509, 506, 323, 313, और 120बी के तहत एफआईआर दर्ज किया है। खाखा दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग में डिप्टी डायरेक्टर था। मामला सामने आने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया है।

कैलाश गहलोट के आवास के बाहर भाजपा का प्रदर्शन



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोट के इस्तीफे की मांग को लेकर सविल लाइन स्थित उनके आवास के बाहर बुधवार को प्रदर्शन किया। इन्होंने बड़ी संख्या में भाजपा की महिला कार्यकर्ता और कई बड़े पदाधिकारी भी शामिल हुए। दरअसल, भाजपा किशोरी से दुष्कर्म के आरोपित दिल्ली सरकार के पूर्व अधिकारी के साथ मंत्री की सलिपता का आरोप लगा रही है। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को ही प्रेस वार्ता कर आह्वान किया था कि कार्यकर्ता कैलाश गहलोट के

इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। सिविल लाइन स्थित मंत्री कैलाश गहलोट के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे भाजपा के कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस पूरे मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोट को इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने उस अधिकारी को आगे बढ़ाया और प्रमोशन दिया, जिसने महीनों तक एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। 13 अगस्त को इस व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज हुई थी लेकिन दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब मामला मीडिया में आया तब उस अधिकारी को बर्खास्त किया गया।



चंद्रयान-3 की सफलता पूर्वक लैंडिंग के लिए सभी देशवासियों, इसरो के वैज्ञानिकों एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, सांसद व कार्यकर्ता।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार को बड़ा विमान हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार सुबह हाल में बने रनवे पर दिल्ली से बागदोगरा की फ्लाइट संख्या यूके725 उड़ान भर रही थी। ठीक उसी समय अहमदाबाद से दिल्ली की विस्तारा फ्लाइट बगल वाले रनवे पर उतरने के बाद उसी रनवे के अंतिम छोर की ओर बढ़ रही थी। हालांकि, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने सूझबूझ से विमान को रोक लिया। इससे हादसा टल गया। एटीसी के निर्देश के बाद उड़ान रद्द कर दी गई। सुत्रों की माँने तो दोनों फ्लाइट को एक ही समय में अनुमति दी गई थी लेकिन एटीसी ने तुरंत नियंत्रण में ले लिया। इयूटी पर तैनात एटीसी अधिकारी ने विस्तारा की उड़ान को रद्द करने के लिए कहा।

बारिश से थम गए वाहनों के पहिए, जाम से लोग रहे परेशान

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर जाम, सिरहौल बॉर्डर से सिव्नेचर टावर चौक तक लगा जाम

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह से शुरू हुई बारिश ने लोगों को एक ओर उमस से राहत पहुंचाई तो वहीं दूसरी ओर दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर जाम लगने से वाहनों के पहिए थम गए। दिल्ली और साइबर सिटी में सुबह से रुक-रुक कर हो रही बारिश से सिरहौल बॉर्डर से साइबर सिटी के सिग्नेचर टावर चौक तक दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर लंबा जाम लग गया। इससे स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों और दफ्तर के लिए निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली के इन मार्गों पर भी



लगा जाम: दिल्ली के विकास मार्ग पर बारिश के बीच लोग छता लगाकर अपने बच्चों को स्कूल छोड़ते जाते नजर आए। वहीं दोपहिया वाहन चालक रेनकोट पहनकर आफिस जाते दिखे। बारिश की वजह से स्वामी

दयानंद मार्ग, उस्मानपुर पुरता, खजुरी, शास्त्री पार्क पर जाम लगने से लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में देरी हुई। जाम लगने से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार भी धीमी हुई। औद्योगिक नगरी में बुधवार को सुबह आसमान में

परेशानी का सबब

► स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों और दफ्तर के लिए निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा

काले बदल छाने के बाद झमाझम बारिश हुई। गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। वहीं तापमान में गिरावट आई। बुधवार सुबह जब लोगों की आंखें खुली तो घर के बाहर बादल छाए थे। तड़के सुबह से तेज फिर 11 बजे तक रिमझिम वर्षा होती रही।

सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार पर आरोप तय

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट सेशल जज एमके नागपाल ने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। कोर्ट ने सज्जन कुमार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 153A, 295R/W149, 307, 308,



323, 325, 395, 436 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। हालांकि, कोर्ट ने एसआईटी

सुनवाई

► कोर्ट ने एसआईटी को सज्जन के खिलाफ लगाई गई हत्या की धारा 302 को हटाने का आदेश दिया

दौरान कोर्ट को बताया गया कि सज्जन कुमार इस केस में हिरासत में नहीं हैं, सज्जन कुमार इस

मामले में जमानत पर हैं। दरअसल, 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान जनकपुरी में दो सिखों सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह को एक नवंबर 1984 की हत्या हुई थी। इसी तरह विकासपुरी पुलिस स्टेशन के इलाके में गुरुचरण सिंह को जला दिया गया, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई थी। इन दोनों मामलों में 2015 में एसआईटी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एमबीबीएस में दाखिला कराने के नाम पर करते थे ठगी



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली खुद को मेडिकल कॉलेज का डीन और प्रिंसिपल बताकर एमबीबीएस में दाखिला कराने के नाम पर ठगी करने वाले एक गैंग का रोहिणी जिला के साइबर थाना पुलिस ने खुलासा किया है। गैंग ने इस संबंध में गैंग सरगना एमबीबीएस डॉक्टर और उसके दो साथियों को पश्चिम बंगाल और असम से गिरफ्तार किया है। गैंग ने दिल्ली के एक डॉक्टर के बेटे का दाखिला कराने के नाम पर ठगी की थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी व गैंग सरगना सुभंजरा गुप्ता (41), इसके साथी असीकुर रहमान (31) और धर्मेश कलित (33) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से तीन मोबाइल फोन, 10 सिमकार्ड, दो लैपटॉप, छह एटीएम, तीन चेकबुक, पासबुक के अलावा अन्य सामान बरामद किया है। मुख्य आरोपित सुभंजरा गुप्ता एमबीबीएस डॉक्टर और वह पश्चिम बंगाल में अपना नर्सिंग होम चलाता है। इसके खिलाफ पहले से एमबीबीएस में दाखिले कराने के नाम पर ठगी के

अरेस्ट

► गैंग सरगना एमबीबीएस डॉक्टर और उसके दो साथियों को पश्चिम बंगाल और असम से गिरफ्तार किया है

तीन केस दर्ज हैं। पुलिस को मामले में सुभंजरा गुप्ता की सहयोगी नगमा खान की तलाश है। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि 25 जुलाई को रोहिणी जिला निवासी डॉ. विजय धनकर ने ठगी की एक शिकायत साइबर थाने में दर्ज कराई थी। डॉ. विजय ने बताया कि उनको अपने बेटे का एमबीबीएस में दाखिला कराना था। उनको कहीं से डॉ. आरबी गुप्ता का मोबाइल नंबर मिला। फोन पर उनसे दाखिले के लिए बात हुई तो आरोपित ने खुद को कटिहार मेडिकल कॉलेज का डीन बताकर दाखिले के नाम पर 60 लाख की डिमांड की। डॉ. विजय इसके लिए तैयार हो गए।

नौसेना प्रमुख ने बेस कारवार में 600 प्लैटों वाली दो इमारतों का उद्घाटन किया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने नौसेना बेस कारवार का दौरा किया। यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख ने बड़ी संख्या में नौसेना कर्मियों के परिवारों की मौजूदगी में अमाधल्ली और अरणा नौसेना बेस में 600 प्लैटों वाली दो आवासीय इमारतों का उद्घाटन किया। आईजीबीसी (भारतीय हरित भवन परिषद) गोल्ड रेटिंग का अनुपालन करते हुए दस आवासीय टावरों में आधुनिक सुविधाओं, बेहतर आंतरिक सज्जा, भूदृश्य और बाहरी सेवाओं का प्रावधान किया गया है।



ये अवसरचंन विकास, परियोजना सोबर्ड के चल रहे चरण आईआईए का हिस्सा है और इसमें लगभग 10,000 यूनिफॉर्मड और सिविलियन पर्सनल अपने परिवारों के साथ रहेंगे। इस मौजूदा निर्माण ने

कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। यह परियोजना भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप है, जो 90 प्रतिशत से अधिक सामग्री घरेलू स्तर पर प्राप्त करती है।

कैब ने खड़े ट्रक में पीछे से मारी टक्कर, गाड़ी से ही जा चिपका चालक; सिर के हुए टुकड़े-टुकड़े

पीछे की से तेज रफ्तार से आई कैब ने पीछे से जबरदस्त तरीके से टक्कर मार दी, स्वीफ्ट डिजायर कैब का अगला हिस्सा ट्रक के नीचे घुस गया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दक्षिण दिल्ली के फतेहपुरीबेरी थाना इलाके में एमबी रोड पर कैब ने खड़े ट्रक में पीछे से जबरदस्त तरीके से रात को टक्कर मार दी। उस समय ट्रक चालक पीछे स्टैंड में पंचर टायर को रख रहा था। कैब की टक्कर से चालक रामप्रकाश ट्रक के पीछे हिस्से से चिपक गया। उसके सिर के कई टुकड़े हो गए थे। कैब चालक को कहना है कि झपकी लगने की वजह से कैब पीछे से ट्रक में घुस गई। दूसरी घटना में सरिता विहार इलाके में बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। इनमें से एक की मौत हो गई। टक्कर से चालक ट्रक के

पिछले हिस्से से चिपका: दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि गांव बसंतपुर, जिला बरेली, यूपी निवासी रामप्रकाश दिल्ली की रोड चलाता है। रात को उसका ट्रक एमबी रोड पर मेट्रो पिलर नंबर 101 के पास, सुल्तानपुर मेट्रो स्टेशन के नजदीक रात को पंचर हो गया। राम प्रकाश ने पंचर टायर को बदल दिया। वह पंचर टायर को ट्रक के पीछे बने स्टैंड में रख रहा था। तभी पीछे की से तेज रफ्तार से आई कैब ने पीछे से जबरदस्त तरीके से टक्कर मार दी। स्वीफ्ट डिजायर कैब का अगला हिस्सा ट्रक के नीचे घुस गया। कैब व ट्रक के बीच रामप्रकाश पिस गया। कैब की



टक्कर से वह ट्रक के पिछले हिस्से के चिपक गया। किसी राहगीर ने सुबह पांच बजे इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी। सूचना के बाद फतेहपुरबेरी थाने में तैनात एमरजेंसी अफसर एएसआई श्रीराम मौके पर पहुंचे। राम प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई थी।

पुलिस को रामप्रकाश के शरीर के टुकड़े का एकत्रित करने के लिए विशेषज्ञ टीम बुलानी पड़ी। पुलिस ने रामप्रकाश के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी है। एएसआई श्रीराम ने मामला दर्जकर

कैब चालक पालम कॉलोनी दिल्ली निवासी गोपाल नारायण मिश्रा (38) को गिरफ्तार कर लिया है। सरिता विहार में तीन दोस्तों को मारी टक्कर: बिन्दुसार कैम, अमर कॉलोनी निवासी गोपाल निवासी के चक्कर में गोपाल को घायल हुए उसके दोस्त अनिल व केतन भी इसी कैप में रहते हैं। केतन ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि वह अनिल और गोपाल के साथ 20 अगस्त को बदरपुर गया था। वहां से काम खत्म करने के बाद देर रात तीनों स्कूटी से घर लौट रहे थे। केतन की स्कूटी को अनिल चला रहा था। केतन और गोपाल पीछे बैठे

हुए थे। सरिता विहार मेट्रो स्टेशन के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने आश्रम की ओर आने वाली सड़क पर स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों दोस्त स्कूटी के साथ नीचे गिर गए। ट्रक चालक ने भागने के चक्कर में गोपाल को कुचल दिया। इसके बाद चालक ट्रक को मौके पर ही छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डाक्टरों ने गोपाल को मृत घोषित कर दिया। केतन और अनिल अस्पताल में भर्ती हैं। सरिता विहार पुलिस ने मामला दर्जकर ट्रक चालक की तलाश तेज कर दी है।



संपादकीय

अब कर्नाटक में कांग्रेस का ऑपरेशन पंजा का आगाज

भाजपा जीते बगैर सत्ता हथियाने में माहिर हैं। उसके लिए वह स्पेशल टीम लगाती है ;जो 60% राज्यों में कामयाब रही हैं 'ऑपरेशन लोटस' भाजपा की उस स्ट्रेटजी के लिए गढ़ा गया शब्द है, जिसमें सीटें पूरी न होने के बावजूद पार्टी सरकार बनाने की कोशिश करती है। पिछले 6 साल के दौरान 7 राज्यों में भाजपा ने ऑपरेशन लोटस चलाया। इसमें से 5 बार भाजपा को सफलता मिली है, जबकि 2 बार मात खानी पड़ी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा , अरुणाचल में भाजपा पास हुई तो राजस्थान , उत्तराखंड में उसे फेल होना पड़ा था।

अभी ऑपरेशन की सबसे बड़ी हलचल कर्नाटक में चल रही है जहाँ भाजपा ने यह ऑपरेशन कमल शुरू किया था। 2017 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा 104 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले ली, लेकिन फ्लोर टेस्ट पास नहीं कर पाए। सरकार गिर गई इसके बाद कांग्रेस के 80 और जे .डी.एस . के 37 विधायकों ने मिलकर सरकार बना ली। 2 साल भी पूरे नहीं हुए थे कि पॉलिटिकल क्राइसिस शुरू हो गई। जुलाई 2019 में कांग्रेस के 12 और जे .डी. एस . के 3 विधायक बागी हो गए।कांग्रेस-जे .डी.एस . सरकार के पास 101 सीटें बचीं। वहीं भाजपा की 105 सीटें बरकरार रहीं। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और वहां से फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया गया। सरकार फ्लोर टेस्ट में फेल हो गई और मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने इस्तीफा दे दिया।

इस समय 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के सियासी गलियारों में 'ऑपरेशन पंजा' की चर्चा जोरों पर है। कहा जा रहा है कि इस समय कांग्रेस भाजपा और जेडीएस को तोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का ये भी मानना है कि ये 2019 के ऑपरेशन लोटस का बदला है। कांग्रेस सुत्रों के मुताबिक, पार्टी की रणनीति 'ऑपरेशन पंजा' के तहत 3 से 4 चरणों में भाजपा -जेडीएस विधायकों को तोड़ने की है। एक न्यूज एजेंसी ने कर्नाटक कांग्रेस सुत्रों के हवाले से बताया है कि जल्द ही 15 विपक्षी विधायकों को पार्टी में शामिल किया जा सकता है। सुत्रों के मुताबिक, विधायकों से संपर्क किया जा चुका है और उनके पदों को लेकर आगे की चर्चा चल रही है। इस पर मुहर लगते ही विधायकों को कांग्रेस में शामिल कर लिया जाएगा।'ऑपरेशन पंजा' की चर्चा पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस बोम्मई ने दावा किया कि कोई भी भाजपा विधायक कांग्रेस में शामिल नहीं होगा। कर्नाटक के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि ऑपरेशन पांजा को ऑपरेशन लोटस की तर्ज पर लागू किया जाएगा। इसके तहत कांग्रेस उन विपक्षी विधायकों को तोड़ने की रणनीति बना रही है जो कभी कांग्रेस में थे। इसके अलावा कांग्रेस की नजर पुराने मैसूर, बेलगावी, बीदर और तटीय कर्नाटक के मजबूत भाजपा नेताओं पर है। इन नेताओं को साथ लेकर कांग्रेस 2024 में भाजपा को कड़ी टक्कर देने की रणनीति तैयार कर रही है। कर्नाटक में कांग्रेस ने 2024 में लोकसभा की 20 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है।

राजस्थान में जिताऊ प्रत्याशियों पर दांव लगायेगी कांग्रेस



रमेश सर्राफ धमोरा

“ प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह

रंधावा व उनके साथ तीन सह प्रभारी

भी लगातार प्रदेश का दौरा कर

विभिन्न स्तरों पर रायशुमारी कर रहे

हैं। टिकट वितरण में पार्टी द्वारा उम्र

का बंधन लागू नहीं करने के कारण

उम्रदराज नेताओं को भी टिकट मिलने

की संभावना बन गई है। इसी के

चलते कांग्रेस विधायक हेमराम

चौधरी, दीपेंद्र सिंह शेखावत, भारत

सिंह जैसे उम्रदराज नेताओं ने अगला

विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की बात

कही थी। मगर उम्र का बंधन नहीं

होने के चलते शायद यह लोग भी

फिर से चुनावी मैदान में उतर जायें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने

भी आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के

मानगढ़ धाम में एक बड़ी रैली को

संबोधित कर राजस्थान में चुनाव

प्रचार की शुरूआत कर दी है। राहुल

गांधी के राजस्थान दौरे के बाद

कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव

की तैयारी में जुट गए हैं।

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में जिताऊ प्रत्याशियों पर ही दांव लगाएगी। पार्टी को जो प्रत्याशी जीतने वाला लगेगा चाहे वह कितनी भी अधिक उम्र का क्यों ना हो उसे मैदान में उतारा जाएगा। कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान में लगातार दूसरी बार सरकार बना कर हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता अलग-अलग एंगल से सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए सर्वे करवा रहे हैं। जिस व्यक्ति का नाम भी सर्वे में उभर कर आएगा उसको ही इस बार कांग्रेस पार्टी टिकट देकर चुनावी मैदान में उतरेगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं का मानना है कि आम कार्यकर्ता से लेकर निर्वाचित जगप्रतिनिधि तक कोई भी टिकट के लिए आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ नेता पूरी तरह से छानबीन कर अंतिम सूची में जीतने वाले नाम पर ही मोहर लगाएंगे। जयपुर में संपन्न हुई नवगठित प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में कहा था कि हम चुनाव जीतेंगे। हमने प्रदेश की जनता के भले के लिए बहुत से नए काम किए हैं तथा बहुत सी नयी योजनाएं प्रारंभ की हैं। जिससे प्रदेश की अधिकांश जनता लाभान्वित हो रही हैं। हमारे द्वारा शुरू किए गए कामों के बदौलत ही राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को फिर से जिताने का मानस बना लिया है। कांग्रेस के सभी नेता मिलजुल कर पूरी एकजुट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। जबकि भाजपा में आज भी अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग गुट बने हुए हैं। ऐसे में प्रदेशवासी कांग्रेस की ही सरकार बनाने की चर्चा करने लगे हैं। गहलोत का कहना है कि बीजेपी तो हार मान चुकी है। जबकि हम चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। बीजेपी में दिल्ली से आकर नेता चुनाव लड़ेंगे तो जनता इनसे पूछेगी कि क्या हमारे फैसले भी आप दिल्ली से बैठकर करोगे। बीजेपी की यह स्थिति है कि उनके कार्यकर्ता पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है। इनके पास चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तक नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो यह चुनाव से पहले हार मानने की स्थिति में आ गए हैं। जनता इस बात का एहसास कर रही है।



जयपुर में कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में युवा हो या बुजुर्ग हो टिकट वितरण में केवल जिताऊ को ही देखा जाएगा। यही सबसे बड़ा क्राइटेरिया होगा। गहलोत का मानना है कि कर्नाटक चुनाव में 90 साल के व्यक्ति को भी टिकट दिया गया था जो चुनाव जीतकर आया। इसलिए जो जीत सकता है उसको ही टिकट दिया जाएगा। गहलोत के इस बयान से साफ है कि उदयपुर चिंतन शिविर के घोषणापत्र का पालन टिकटों में नहीं होगा। अगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं को टिकटों में प्राथमिकता देने की जगह जिताऊ का मापदंड रहेगा। कांग्रेस पार्टी अगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के टिकट जल्दी से जल्दी तय करना चाहती है। कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागने से पहले प्रत्याशियों के नाम तय कर देना चाहते हैं। इसको लेकर ब्लाक कमेटियों से लेकर प्रदेश स्तर पर गठित चुनावी समितियों की बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है। पार्टी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों और पार्टी नेताओं ने टिकटों के पैनल पर काम शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान के सभी 25 लोकसभा सीटों पर गुजरात, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के 25 विधायकों को पार्टी पर्यवेक्षक बनाकर जिलों में भेजा गया था। इन 25 पर्यवेक्षकों में से हर एक को लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले आठ विधानसभा सीटों का फीडबैक लेने का काम दिया गया था। सभी पर्यवेक्षकों ने

जिलों में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक को का आयोजन कर विभिन्न नेताओं से पार्टी के संभावित प्रत्याशियों के बारे में फीडबैक लिया तथा पार्टी की टिकट चाहने वालों के बायोडाटा भी एकत्रित किए हैं। सभी पर्यवेक्षकों ने जयपुर लौटकर अपनी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को सौंप दी है। इसके अलावा इसके अलावा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों से भी राय मांगी जाएगी। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व उनके साथ तीन सह प्रभारी भी लगातार प्रदेश का दौरा कर विभिन्न स्तरों पर रायशुमारी कर रहे हैं। टिकट वितरण में पार्टी द्वारा उम्र का बंधन लागू नहीं करने के कारण उम्रदराज नेताओं को भी टिकट मिलने की संभावना बन गई है। इसी के चलते कांग्रेस विधायक हेमराम चौधरी, दीपेंद्र सिंह शेखावत, भारत सिंह जैसे उम्रदराज नेताओं ने अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। मगर उम्र का बंधन नहीं होने के चलते शायद यह लोग भी फिर से चुनावी मैदान में उतर जायें। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भी आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में एक बड़ी रैली को संबोधित कर राजस्थान में चुनाव प्रचार की शुरूआत कर दी है। राहुल गांधी के राजस्थान दौरे के बाद कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत भी चुनाव को लेकर पूरे आक्रामक मूड में हैं। पॉलिटिकल एक्शनर्स कमेटी की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने अपने नजदीक माने जाने वाले कांग्रेस

नेताओं को जमकर फटकार लगाई। विधायक रघु शर्मा ने जब जातिगत जगणणना के फैसले पर सवाल उठाते हुए इससे चुनावों में नुकसान होने की आशंका जताई तो गहलोत ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि तुम तो नेशनल लीडर हो। राहुल गांधी से ही सीधी बात क्यों नहीं कर लेते। आपको पता है यह हमारी पार्टी का नेशनल स्टैंड है और आप इस तरह की बात कह रहे हो। कर्नाटक में राहुल गांधी ने बोला था। बाकी जगह भी कांग्रेस का यही स्टैंड है।

बैठक में पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने आदिवासी इलाके मानगढ़ की सभा में एसटी आरक्षण की जगह ओबीसी आरक्षण पर घोषणा करने को पार्टी के लिए नुकसानदायक बताते हुए इस पर सवाल उठाए। रघुवीर मीणा के सवाल उठाने पर गहलोत ने कहा कि मुझे पता है कहां क्या घोषणा करनी है। मुख्यमंत्री सबका होता है मेरी प्राथमिकता सब लोग हैं। कोई बात कहां रखनी है मैं मुख्यमंत्री हूं इतना तो जानता ही हूं। अब तो सलूबर को जिला बना दिया और आपके चुनाव जीतने का रास्ता साफ कर दिया है। फिर भी यह बात बोल रहे हो।

बैठक के दौरान खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बीजेपी के आरोपों पर आक्रामक होने की सलाह दी तो गहलोत ने खाचरियावास पर भी तंज कसते हुए कहा कि खाचरियावास बोलते-बोलते पता नहीं कौन सा ट्रैक पकड़ कर क्या बोल जाते हैं। केशी वेणुगोपाल जी अनुशासन के मामलों में कार्रवाई करने में थोड़ा वक्त लगाते हैं। अगर इनकी जगह मैं होता तो बता देता। गहलोत ने राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पर भी तंज कसते हुये कहा कि आपको पार्टी ने दो बार मौके दिया जीते नहीं तो पार्टी ने राज्यसभा सांसद बना दिया। कम से कम अब तो एक विधायकसभा सीट जितवाने की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए। चुनावी तैयारियों के नजरिये से कांग्रेस पार्टी प्रदेश में भाजपा से काफी आगे चल रही है। सचिन पायलट के शत होने से पार्टी में चल रही गुटबाजी बंद हो गयी है। यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ही पूरे चुनावी अभियान का नेतृत्व करेंगे।

भाजपा द्वारा गहलोत के सामने अभी तक कोई चुनावी चेहरा नहीं उतारे जाने के चलते कांग्रेस को फायदा होता नजर आ रहा है।



कविता

खुद को तलाशता मैं ?	शून्य होकर रह गया
मुझे धरती लील गई, आकाश ने छुपा दिया हवाओं ने अदृश्य कर दिया	हम,हमारे द्वंद के बीच, सूख जा की नव किरणों में
या पानी ने अपनी धाराओं में विलोपित कर दिया मुझे,	अपने और अपनों को बुझी आँखों से तलाशता, सुखे पत्तों सा फड़फड़ाता,
अदना मैं अस्तित्व हीन, शून्य से चिपका ज्यम में बहता सा, मैं मुझको ही नजर नहीं आता	वृक्ष के तनों सा अकड़ा उजड़ें हुए नगर की तरह आज जन्मे शिशु ने दिया
अपने अतीत में अपने को खोजता पीछे की ओर नजरे दौड़ा कर,	मुक्ति का संदेश, नवयुग की ओर जाने का
पिताहम हमारे आने वाले कल की ओर निहारते गहरी आशावादी दृष्टि से,	सच, नवजात नन्हा ही आज और आने वाले कल का
मैं अतीत के पाषाणों में आज तलाश करता, मां की कोख से जन्मा मैं	सच्चा पथ प्रदर्शक है, ईश्वर की मर्निद।
	संजीव ठाकुर -----

ममता की ये सरिता, कल कल शीतल ही बहने दो

हर साल की भाँति इस वर्ष भी 26 अगस्त को हम सभी 'वुमेन इक्वैलिटी डे' यानी कि 'महिला समानता दिवस' मनाये जा रहे हैं। नारी के बारे में किसी ने क्या खूब कहा है कि -'नारी ही सारी है, सारी ही नारी है। नारी में ही सारी है और सारी में ही नारी है।' छब्बीस अगस्त को हम महिला समानता दिवस मना रहे हैं। वास्तव में, यह दिवस लोगों को महिलाओं को समानता(इक्वैलिटी) का दर्जा दिलाने के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में हम यह बात कह सकते हैं कि महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाने और समाज में उनकी स्थिति को मजबूत या सशक्त बनाने के उद्देश्य से हर साल महिला समानता दिवस मनाया जाता है। आज भी नारी को समाज में वह स्थान प्राप्त नहीं है जो कि वास्तव में उसे होना चाहिए। तभी शायद किसी कवि को यह लिखना पड़ा कि -'नारी सशक्तिकरण के नारों से गूँज उठी है वसुंधरा, संगीष्ठी, परिचर्चाएं सुन-सुन, अंतर्मन ये पूछ पड़ा वेद, पुराण, ग्रंथ सभी, नारी की महिमा दोहराते, कोख में कन्या आ जाए, क्यों उसकी हत्या करवाते? कूड़े, करकट के ढेरों में, कुत्तों के मुँह से नुचवाते, बेटे की आस में प्रतिवर्ष, बेटियां घरों में जनवाते।.....सरस्वती, लक्ष्मी, शीतला, नारी दुर्गा भी बन जाए, मममोहिनी, गंगायी सी, काली का रूप भी दिखलाए।शक्ति को ना ललकारो, इसको नारी ही रहने दो, करुणा, ममता की सरिता

ये, कल-कल शीतल ही बहने दो।' वास्तव में, इस दिन(महिला समानता दिवस) को मनाने की शुरूआत तब हुई थी जब एक देश विशेष में महिलाओं को मतदान यानी कि वोट देने का अधिकार तक नहीं था। यह ठीक है आज भारत समेत दुनिया के सभी देशों में लैंगिक समानता लाने की दिशा में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं, महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिए जा रहे हैं लेकिन हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति को लेकर आज भी अनेक प्रकार की असमानताएं देखने, सुनने को मिलती हैं और सच तो यह है कि महिलाओं को कहने को भले ही पुरुषों के समान अधिकारों की हम बात करते हैं लेकिन वास्तविकता यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के प्रति कहीं न कहीं दोहरी मानसिकता होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो हम यह बात कह सकते हैं कि समाज में आज भी महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार नहीं मिलते हैं। हालांकि यह बात अलग है कि आज भारत समेत दुनियाभर में महिलाओं को समान अधिकार और स्थान दिलाए जाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अमेरिका में महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था। इतना ही नहीं विवाहित महिलाओं ने संपत्ति के अधिकार की मांग भी शुरू कर दी थी। यहां यह उल्लेखनीय है कि महिला समानता दिवस(वुमेन इक्वैलिटी डे।

जीवन की आपाधापी में क्या जी रहे हैं हम?

प्रियंका सौरभ

आज के अशांत युग में शांति परमावश्यक है। कल कारखानों के शोर, यातायात के साधनों का शोर, जीवन की आपाधापी आज बाहरी तथा भीतरी अशांति को जन्म दे रही है। इसके कारण तनाव, डिप्रेशन का जन्म हो रहा है। प्रकृति की हरियाली व शांत प्राकृतिक दृश्यों की कमी लोग अनुभव करने लगे हैं। नगरों से दूर लोग ग्रामीण शांत वातावरण में रहना पसंद करने लगे हैं। यह मन:स्थिति शांति की उपयोगिता को प्रदर्शित करती है। आज हम जिस समय में रह रहे हैं वह अनेक तरह से विलक्षण है। देखा जाए तो हर समय अनूठा होता है। लेकिन आज का दौर विशेष तौर पर आपाधापी, जीवन संघर्ष, कटुताओं, वैचारिक संकीर्णताओं, निराशा, हताशा जैसे अवसादों से भरा है। आज के इस आपाधापी भरे जीवन में अपना अस्तित्व बनाए रखना और अपनी जमीन पर खड़े रहना पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है। समय के साथ बढ़ती हमारी अपेक्षाएं और आकांक्षाएं व जरूरतें हमें दिन-रात परेशान करती रहती हैं। जो है वह खूबसूरत है हमने कब ये सोचा? सादगी की अवधारणाएं अब कहीं कूड़े में जा चुकी हैं। हमारी जितनी जरूरत है उतना हमारे पास हैं फिर भी हम संतुष्टि भरा जीवन नहो जी पा रहे हैं और यह असंतोष ही हमें लगातार भागने के लिए विवश करता है। हमें यह कर्त्तई सहन नहीं होता कि कोई हमसे आगे निकल जाए और इस दौड़ में हम उस सुख को जीना भूल



विचार

जाते हैं जो ईश्वर ने हमें दिया है। यही कारण है कि हमारा तनाव बढ़ता है और रक्तचाप उच्च स्तर पर जाता है। जीवन की आपाधापी में हमें कुछ देर कहीं बैठकर सोचने का वक्त ही नहीं मिला कि क्या सही है और क्या गलत? जब हम अपने युवा जीवन की शुरूआत करते हैं तो, हमारा मन सबकुछ पाने को लालायित रहता है। हमें पैसे के साथ साथ नाम कमाने की भी चाह होती है। ये चाहत काफी हद तक सही भी है। पर, इसके चक्कर में परिवार और अपनी खुशियों को अहमियत न देना गलत है। अपनी जिम्मेदारियों और अपनी खुशियों के साथ समझौता किसी भी हाल में सही नहीं हो सकता। जीवन में आपका पैसा और नाम कमाना या कामयाब ईतान बनना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी छोटी छोटी खुशियों को महसूस करना भी है। अगर आप इन पलों को भूलकर बस आप बढ़ने में लगे हैं तो आपको एक दिन इस बात का दु:ख जरूर होगा की मैंने क्या कुछ खोया थोड़ा सा पाने के चक्कर में? जिन स्थितियों से तनाव उत्पन्न होता है उनसे अशांति मिलती है । आधुनिक शोषों से ज्ञात होता है कि लगभग पचहत्तर प्रतिशत रोगों का कारण तनाव होता है। आज हम बिना ठहरे बस भागते जा रहे हैं, भागते जा रहे हैं। और यही कारण है कि हमारे जीवन में एक दौर ऐसा आता है जब हम निराश और उदास लोगों से गिर जाते हैं। हमें लगता है कि कोई भी अपनी वर्तमान स्थिति से संतुष्ट नहीं है।

आज जो हमें मिला है वह अपर्याप्त है। क्या कभी हम दूसरे कोण पर भागती हमारी जिंदगी का पहले कोण से मुआयना कर पाएंगे। अब सोचिए....। क्या हमारे जीवन में उदासी और अवसाद का यह दौर ऐसे ही चलता रहेगा? क्या हमारे जीवन में कभी सकारात्मकता नहीं आएगी? यहां सकारात्मक होने का मतलब यह नहीं है कि जो गलत है उसे हम बेवजह सकारात्मकता के लिफाफे में पैकेटकर स्वीकार करें। गलत को गलत ही कहा जाना चाहिए और उसका विरोध भी होना चाहिए। लेकिन हमें अनावश्यक नकारात्मकता से बचना चाहिए। मैं आज के समाज में और विशेष रूप से सोशल मीडिया के इस युग में देखती हूं कि हम चीजों को बिना जाने, बिना मामले की तह में पहुंचे किसी की आलोचना, निंदा करने और घंटिया शब्दों का प्रयोग करने से भी नहीं बाज आते। क्या यह आपके नजरिए से सही है? अगर हम तुरंत किसी बात का जवाब न दे तो क्या दुनिया लुट जाएगी? क्या हम थोड़ी देर सोच विचार कर, पूरी घटना को समझें, अच्छे और सभ्य तरीके से शालीनता से किसी बात का जवाब नहीं दे सकते। इतनी जल्दबाजी आखिर क्यों? सोशल मीडिया की शुरूआत हमारी घटती जा रही सामाजिकता की क्षतिपूर्ति के लिए हुई होगी। क्योंकि आज हम गांव में बरगद और पीपल तले चोपाल नहीं देख पा रहे। कारण यही की आज की दुनिया बहुत बदल गई है।

नजर-नजर का फेर

डॉ. सुरेश कुमार

मैं छह महीने पहले तक शादी-शुदा थी। अब विधवा हूँ। न जाने यह समाज क्यों विधवा को कटी पतंग की तरह लूटने के लिए लालायित रहता है। पति निकम्मा ही सही हवस के भूखों से बचाए रखने का लायसेंस होता है। मंगलसूत्र, सिंदूर, बिछुए को पड़े पहनने, मेहंदी लगाने, लिपस्टिक, पाउडर, काजल से दूर रहने का फरमान है। इस फरमान का कड़ाई से पालन करने पर भी मैं अपने ही कुछ अवयवों से हारी हूँ। ये अवयव एक समय खूबसूरती का कारक बनते हैं तो एक समय जीना दुश्वार का कर देने वाले घातक शूल। दुकान पर जाने पर दुकानदार मुझे जानबूझकर रोकने के लिए सामान देरी से देने के लिए तरह-तरह के बहाने बना रहा है। मौका मिलते ही मुझे आँख मार रहा है। वह मुझे ऊपर से नीचे तक बार-बार घूर रहा है। मैं चाहती तो दुकान बदल सकती हूँ, लेकिन लोगों की नीयत बदलने की मेरे पास तरकीब नहीं है। सामान थमाते हुए उसने मेरे हाथ मिस दिए। सड़क पर शराब की दुकान भी होती है।



चिंतन

अपने लेखन कौशल को कैसे बेहतर बनाए

विजय गर्ग
अकादमिक सफलता के लिए मजबूत लेखन कौशल महत्वपूर्ण हैं। चाहे आप छात्र हों, शोधकर्ता हों या पेशेवर हों, प्रभावी लेखन विचारों को स्पष्ट और प्रेरक ढंग से संप्रिणित करने की आपकी क्षमता को बढ़ाता है।

व्यापक और नियमित रूप से पढ़ें
विविध शैलियों, विषयों और लेखन शैलियों की खोज करके अपने पढ़ने के क्षितिज का विस्तार करें। बार-बार पढ़ना आपको विभिन्न लेखन तकनीकों, शब्दावली और वाक्य संरचनाओं से अवगत कराता है, जो आपके लेखन को प्रेरित और सूचित कर सकता है।

व्याकरण और विराम चिह्न में महारत हासिल करें

स्पष्ट और सुसंगत लेखन के लिए व्याकरण और विराम चिह्न की ठोस समझ आवश्यक है। अपने लेखन की गुणवत्ता और स्पष्टता बढ़ाने के लिए बुनियादी व्याकरण नियमों पर ध्यान दें, उचित अल्पविराम का उपयोग सीखें और वाक्य संरचना से खुद को परिचित करें।

नियमित रूप से लिखने का अभ्यास करें:
लेखन एक ऐसा कौशल है जो अभ्यास के साथ बेहतर होता जाता है। लेखन अभ्यास, जर्नलिंग या ब्लॉगिंग के लिए नियमित समय समर्पित करें। अपने आप को विभिन्न विषयों पर लिखने की चुनौती दें, विभिन्न लेखन शैलियों के साथ प्रयोग करें और अपनी लेखन क्षमताओं को निखारने के लिए फीडबैक लें।

शैक्षणिक लेखन दिशानिर्देशों का अध्ययन करें

अकादमिक लेखन की विशिष्ट आवश्यकताओं और परंपराओं से खुद को परिचित करें। उचित उद्धरण और संदर्भ तकनीकों सहित निबंधों, शोध पत्रों और रिपोर्टों की संरचना को समझें। **मजबूत थीसिस कथन विकसित करें:**
एक अच्छी तरह से तैयार की गई थीसिस कथन आपके लेखन के लिए स्वर और दिशा निर्धारित करता है। स्पष्ट और संक्षिप्त थीसिस कथन तैयार करने का अभ्यास करें जो आपके मुख्य तर्क या शोध उद्देश्य को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं।

अपने दावों को मजबूत करने के लिए अपने लेखन के दौरान साक्ष्य और समर्थन प्रदान करना याद रखें।

न्यूज़ फ्लैश

डीएलएसए ने कानूनी जागरूकता शिविरों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर किया जागरूक

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निदेशानुसार हालसा के एनुअल एक्शन प्लान के तहत डीएलएसए द्वारा विशेष जागरूकता शिविर चलाए जा रहे हैं। इन शिविरों में पैनल के अधिवक्ता एवं पीएलवी द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में अधिवक्ता रजत व पीएलवी शिव कुमार द्वारा शांति नगर में पीडित मुआवजा योजना, भारतीय झंडा सहिता 2022 व राष्ट्रप्रीत गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 के बारे में लोगों को जागरूक किया और संबंधित विषय पर विस्तार से जानकारी दी। सीजेएम नितिन राज ने कहा कि इन फैनों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता लाना है ताकि संबंधित योजनाओं व विषयों की जानकारी सभी को मिल सके।

ब्लाक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शिवालिक स्कूल की टीम रही प्रथम

गन्नौर: ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शिवालिक पब्लिक स्कूल की अंडर-17 लड़कियों ने ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कप्तान ज्योति के नेतृत्व में लड़कियों ने फाइनल मैच में राजकीय स्कूल कैलाना की टीम को हराकर विजय प्राप्त की। स्कूल के प्रधानाचार्य रमेश पहल टीम को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

रतिराम स्कूल के छात्रों का खेलों में रहा बेहतर प्रदर्शन

गन्नौर: रतिराम मैमोरियल सी. से. स्कूल खुबडू के छात्रों ने ब्लाक स्तरीय खेलों में हारडल रेस में अमन ने अंडर 16 में दूसरा, आर्यन ने अंडर 17 में 400 मी दौड़ में दूसरा व लोकेश ने 100 मी. दौड़ में अंडर 14 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल के प्रधानाचार्य रविन्द्र वनखड़ ने मेधावी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

75 साल का जशन मनाते हुए, अशोक लेलैंड की ड्रीम ड्राइव गाजियाबाद पहुंची

गाजियाबाद। अशोक लेलैंड के 75 साल पूरे होने का जशन मनाते हुए ड्रीम ड्राइव के हिस्से के रूप में अशोक लेलैंड का बॉस 1215 और बड़ा दोस्त वाहन गाजियाबाद पहुंचे। जम्मु से यात्रा करते हुए, वाहन आगरा की ओर जा रहा है। यह अभियान पतनगर के मैन्यूफ़ैक्चरिंग प्लांट में समाप्त होगा। इस यात्रा में यह ड्राइव कानपुर, वाराणसी और लखनऊ को भी कवर करेगी। कुल 10 वाहनों के साथ ड्रीम ड्राइव देशभर में पांच अलग-अलग मार्गों पर भ्रमण कर रही है। बैंगलुरु, मुंबई, जम्मु, कोलकाता और डिब्रूगढ़ से शुरू होकर, यह अभियान देश भर के प्रमुख स्थानों से होकर गुजर रहा है और अशोक लेलैंड के मैन्यूफ़ैक्चरिंग प्लांट्स में समाप्त होगा। इस अभियान का उद्देश्य कई आयामों में राष्ट्र के साथ कंपनी के स्थायी संबंधों का जशन मनाना है। साथ ही, अशोक लेलैंड अपने डीलरशिप के व्यापक नेटवर्क के साथ जुड़ेगा, अपने मूल्यवान ग्राहकों के साथ सीधा संबंध बनाएगा और वाणिज्यिक वाहन से संबंधित अपने वर्षों के अनुभव के जरिये तमाम जानकारी एकत्र करेगा। 'ड्रीम ड्राइव' पर अपडेट रहने और बातचीत में शामिल होने के लिए, अशोक लेलैंड के सोशल मीडिया हैंडल को फॉलो करें या कंपनी की वेबसाइट पर जाएं।

डोम्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

नोएडा। भारतीय स्टेशनरी और आर्ट उत्पाद बाजार में अग्रणी समग्र रचनात्मक उत्पाद कंपनी डोम्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ("सेबी") के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ("डीआरएचपी") दायित्व किया है। कंपनी की आर्थिक सार्वजनिक प्रेक्षा कुल मिलाकर 12,000 मिलियन रुपये तक है, जिसमें कुल मिलाकर 3,500 मिलियन रुपये तक का ताजा इश्यू और 8,500 मिलियन रुपये तक का बिक्री प्रस्ताव (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। ऑफर फॉर सेल में कॉर्पोरेट प्रोन्नत और फेब्रिका इटालियाना लैप्स एड एफिनी एस.पी.ए. द्वारा कुल मिलाकर 8,000.00 मिलियन रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं। संजय मनसुखलाल राजानी द्वारा 250 मिलियन रुपये तक के इक्विटी शेयर और केतन मनसुखलाल राजानी द्वारा 250 मिलियन रुपये तक के इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। नए इश्यू के माध्यम से जुटाई गई रकम का उपयोग लेखन उपकरणों, वॉटर कलर पेन, मार्कर और हाइलाइटर्स की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ कंपनी की उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के लिए एक नई विनिर्माण सुविधा की स्थापना की जात के आंशिक वित्त पोषण और साथ ही सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाना प्रस्तावित है। कंपनी अच्छी तरह से बनाए गए, ग्वालिटी वाले स्टेशनरी और आर्ट उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को डिजाइन, विकसित, निर्माण और बेचती है। इसमें मुख्य रूप से प्रमुख ब्रांड डोम्स और उपा ब्रांड (सब ब्रांड) सी 3 अमरीज और फिक्सी फिक्स के तहत धरेतू बाजार के साथ-साथ अन्य देशों जैसे अमेरिका, अफ्रीका, एशिया प्रशांत, यूरोप और मध्य पूर्व बेल्ट को कवर करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 40 देश में बेचती है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में जिला परिषद की चौथी सामान्य बैठक सम्पन्न

परिषद सदस्य किन विभागों से जुड़े कार्य करवा सकते हैं के बारे में करारा अवगत

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत/कमाल हुसैन जिला परिषद की चौथी सामान्य बैठक जिला परिषद की चैयरपर्सन ज्योति शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को जिला सचिवालय के द्वितीय तल पर स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में छः सूत्रीय एजेंडे पर गंभीरतापूर्वक चर्चा हुई। बैठक में सभी 17 वार्डों के जिला परिषद सदस्य मौजूद रहे। बैठक के समापन पर जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी विवेक चौधरी ने सम्बोधित करते हुए



कहा कि सदन हमारी पहचान है। हमें गरिमा में रहकर कार्य करना चाहिए। जिला परिषद की लिमिट की ग्रांटे हैं। जरूरी नहीं की हर जिला परिषद के सदस्य का कार्य हो। हमें उन्हीं कार्यों को

प्राथमिकता देनी चाहिए जो ज्यादा जरूरी है। बैठक में छः सूत्रीय जनहित एजेंडे को लेकर परिषद सदस्यों ने विचार-विमर्श किया। बैठक में जिला परिषद सदस्य किन-किन विभागों से

जुड़े कार्य करवा सकते हैं के बारे में भी सदस्यों को अवगत कराया गया। बैठक में इस छः सूत्रीय एजेंडे में पिछली सामान्य बैठक की कार्यवाही पुष्टि, राज्य वित्त आयोग वित्त वर्ष 2022-23 के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों की नवीनतम प्रगति एवं प्रशासनिक स्वीकृति उपरान्त खर्च राशियों की अदायगी प्रगति बारे विचार-विमर्श किया गया। जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि बैठक में 15वें वित्त आयोग की ग्रांटों में वित्त वर्ष 2021-22 में प्राप्त

ग्रांटों की द्वितीय किश्त वित्त वर्ष 2022-23 में प्राप्त ग्रांटों की प्रथम किश्त के विरुद्ध कार्य स्वीकृत करने बारे तथा वित्त वर्ष 2023-24 की प्लान ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर प्रदर्शित राशि के विरुद्ध बनाने बारे विचार-विमर्श किया गया। बैठक में परियोजनाओं की सूची अनुसार पंचायती राज संस्थाओं की कार्यात्मक जिम्मेदारी की शत प्रतिशत पालना करना सुनिश्चित करने बारे में भी विचार-विमर्श किया गया।

अंडर -14 कबड्डी प्रतियोगिता में छात्राओं ने दूसरा स्थान हासिल किया



टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर। खंड स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता में नव ज्योति शिक्षा सदन सदन खूबडू, भाँवर की छात्राओं ने अंडर 14 कबड्डी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर स्कूल निदेशक राजेंद्र

कौशिक,प्राचार्य हनी शर्मा व स्टाफ के अन्य सदस्य ने जोरदार स्वागत किया। टीम में से उर्वी, कनिका, निशु, धनवी, विनू, कनिका, दक्ष, अश्वनी, अरमान और ईशान बच्चों का जिला स्तर पर भी चयन किया गया।

कुश्ती में पुरखास संत विवेकानन्द स्कूल के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन

गन्नौर: खंड स्तरीय खेलों में पुरखास गांव के सन्त विवेकानन्द विद्यापीठ के खिलाड़ियों ने क्रिकेट में अंडर 14 वर्ग में चिराग ,अंडर 17 वर्ग में निखिल का चयन हुआ। कुश्ती में अंडर 14 वर्ग 48 किलो में अरमान प्रथम स्थान ,अंडर 17 वर्ग 51 किलो में तुष्यनत ने प्रथम स्थान,अंडर 19 वर्ग 87 किलो भार में अन्शु ने प्रथम स्थान, अंडर 19 वर्ग 125 किलो भार में नितिन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार गुलिया ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

'पत्रकार समाचार प्रेषित करने से पूर्व समाचार की विश्वसनीयता परखें' जिला सूचना एवं सम्पर्क विभाग ने किया मीडिया सेंटर में सावन उत्सव कार्यक्रम

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत, कमाल हुसैन जिला सूचना एवं सम्पर्क विभाग द्वारा स्थानीय मीडिया सेंटर में 23 आगस्त बुधवार को सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न समाचार पत्रों व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर उत्सव को उत्साहपूर्वक मनाया व एक-दूसरे की समृद्धि व खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने पत्रकारों को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए



कहा कि प्रैस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। आज भी इसकी अनेक जिम्मेदारियां हैं व यह व्यवसाय आज के दौर में भी चुनौतिपूर्ण है। पत्रकार समाज की वह कड़ी है जिस पर समाज पूरा दारमदार है।

पत्रकारों का दायित्व बनता है कि वे विश्वसनीयता की न्यून दें व कोई भी समाचार प्रेषित करने से पहले उसे पूरी तरह से परख लें। पत्रकार कोई भी ऐसा समाचार प्रेषित ना करें जिससे समाचार की

विश्वसनीयता भंग हो। उपायुक्त ने कहा कि मीडिया ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर उनका सहयोग किया। पूरा प्रशासन पत्रकारों के साथ है। उपायुक्त ने इस दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब भी दिए। उपायुक्त ने कहा कि वे 11 से 1 बजे तक खुला दरबार लगाकर जन समस्याएं सुनते हैं व अधिकारियों से मिलकर उनका समाधान निकालते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कार्यालय नहीं पहुंच सकते वे वाहट्सएप के जरिए भी मुश्न तक अपनी समस्याएं दे सकते हैं। उन पर

निश्चित रूप से कार्यवाही होगी। इस मौके पर मीडिया सेंटर कमेटी के अध्यक्ष राजेश भयाना, मुकेश टंडन व टोटल टीवी के प्रतिनिधि देवेन्द्र कथूरिया ने तीज पर्व महत्वता पर प्रकाश डाला। इस पर्व कार्यक्रम में मुख्य मंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर रणदीप घणघास, डीआईपीआरओ कुलदीप सिंह बांगड़, एआईपीआरओ दीपक पारासर के अलावा पत्रकार विनोद पांचोल,देवेंद्र कथूरिया, जगमेन्द्र सरोहा,मुकेश टंडन, कमाल हुसैन व विभिन्न समाचार पत्रों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

पानीपत/कमाल हुसैन निरंकारी आध्यात्मिक स्थल भोडवाल माजरी में 28 से 30 अक्तूबर तक आयोजित किए जा रहे '76वें निरंकारी वार्षिक संत समागम को सफलतापूर्वक कराने को लेकर उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया की अध्यक्षता में बुधवार को जिला सचिवालय में संत निरंकारी मंडल के सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें उपायुक्त ने समागम को सफलतापूर्वक करवाने का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने कहा कि समागम में लाखों लोगों का आगमन होता है इसके लिए बिजली, पानी, शौचालय, ट्रांसपोर्ट व अन्य उहराव से संबंधित सुविधाओं की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में प्रशासन नियमानुसार समागम को सफलतापूर्वक कराने के लिए संत निरंकारी मंडल का सहयोग करेगा। उपायुक्त ने बताया कि समागम स्थल पर बसों की व्यवस्था सव्वा रूप से की जाएगी। शहर में अतिरिक्त लोकल बसें पानीपत से समागम स्थल तक चलाई जाएंगी। अस्थायी बस स्टॉप बनाए जाएंगे ताकि समागम में आने वाले प्रवासियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त ने इसके लिए परिवहन विभाग के जीएम को नियमानुसार बसों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने दमकल विभाग के अधिकारी के निर्देश दिए कि वे नियमानुसार फायर व एमरजेंसी सर्विस प्रदान करें। उपायुक्त ने बिजली विभाग को अस्थायी बिजली कनेक्शन नियमानुसार प्रदान करने के लिए व स्वास्थ्य विभाग को एंजुलैस, पैरामेडिकल स्टाफ, अस्थायी डिस्पेंसरी उपलब्ध करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वे इस दौरान समागम स्थल के निकट पुलिस पोस्ट स्थापित करें व कानून व्यवस्था का पालन करने के इंतजाम करें। इस मौके पर एसडीएम समालखा अमित कुमार, सीटीएम राजेश सोनी, सीएमओ डॉ. जयंत आहुजा, निवारसी के प्रशासन, स्टाफ तथा विद्यार्थियों को समर्पित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

रक्तदान शिविर का समाजसेवी आतिल ने किया भव्य स्वागत संस्थापक एवं चैयरमैन नानक चंद गुप्ता के 76वें जन्मदिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/राई। रेनू विद्या मंदिर में श्री रामेश्वर सेवा संस्थान के संस्थापक एवं चैयरमैन नानक चंद गुप्ता के 76 वें जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ आतिल बारहा खाप के प्रधान जयभगवान के द्वारा किया गया। संस्थान के चैयरमैन व संस्थापक नानक चंद गुप्ता के 76 वे जन्मदिवस पर रक्त दान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। हरियाणा राज्य रक्त संचरण परिषद की और



से कैप लगाया गया और 100 यूनिट रक्तदान किया गया। साथ ही मैं दिव्यांग बच्चों की डाक्टरों की टीम ने जांच की। स्कूल के

प्रधानाचार्या डा. प्रमोद कुल्हाड़े ने चैयरमेन का स्वागत करते हुए दिव्यांगजनों के लिए किए गए कार्यों को विस्तार से बताया।

आश्ववाशन नानक चंद गुप्ता ने सबका आभार व्यक्त करते हुए दिव्यांग बच्चों के लिए हर संभव प्रयास के लिए आशवाशन दिया

संस्थान के प्रबंधक विजेन्द्र सिंह ने रेनू विद्या मंदिर की गत 22 वर्षों में दो बच्चों से शुरू होकर लगभग 350 सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के लिए उठाये गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए नानक चंद गुप्ता

को देते हुए अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। समाजसेवी जय भगवान आतिल ने संस्थान द्वारा दिव्यंजन बच्चों के लिए उठाये गए शिक्षा के कदमों को जानकर बड़ी प्रशंसा करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा के लिए संस्थान बेहतर प्रयास कर रहा है। नृत्य शिक्षक विकास कुमार की अनुयाई में दिव्यांग बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। नानक चंद गुप्ता ने सबका आभार व्यक्त करते हुए दिव्यांग बच्चों के लिए हर संभव प्रयास के लिए आश्ववाशन दिया।

टीम एक्शन इंडिया/संतोष कुमारी नारनौल। नागरिक अस्पताल में बुधवार को हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। यहां पर अपने स्टाफ की कार्य प्रणाली से नाराज मेडिकल सुपरीटेंडेंट सीएमओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। अस्पताल के एक बड़े अधिकारी द्वारा इस प्रकार सिविल सर्जन के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठना काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। बुधवार को चिकित्सा अधीक्षक धर्मेन्द्र संपावन सिविल सर्जन रमेश चंद्र आर्य के कार्यालय के बाहर



धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे हुए मेडिकल सुपरीटेंडेंट का कहना था कि अस्पताल का स्टाफ उनकी बातों को नहीं मानता है। जिसके कारण अस्पताल चलाने में उनको काफी परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि यहां के स्टोर कीपर नरेंद्र कुमार की मौत के

बाद कोई भी उस स्टोर को चलाने वाला नहीं है। जिसके कारण काफी परेशानी हो रही है। सारा भार उनके कंधों पर आ गया है। इससे भी मानसिक रूप से भी परेशान रहने लग गए हैं। हालांकि सिविल सर्जन के कहने पर दस मिन्ट बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया। सिविल सर्जन ने आश्वसन दिया कि उनकी मांगों को पूरा कर दिया जाएगा। इसके बाद चिकित्सा अधीक्षक ने धरना समाप्त कर दिया। चिकित्सा अधीक्षक का आरोप है कि चिकित्सक उनकी बात नहीं मान रहे हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराया

ख़सेलडोर्फ। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यहां खेले जा रहे 4 देशों के टूर्नामेंट में स्पेन को 2-1 से शिकस्त दी। भारत के लिए अनु (21%) और सांछी राणा (47%) ने एक-एक गोल किया, जबकि स्पेन के लिए लीमा टेरेंसा (23%) ने गोल किया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत तेज़ गति के साथ हुई। भारत ने बहुत लेने की कोशिश में अपने हमलों की गति बढ़ा दी और इसका उसे फायदा भी मिला। अनु ने 21वें मिनट में एक अच्छा फील्ड गोल करके भारत को 1-0 से अगे कर दिया। हालाँकि, दो मिनट बाद ही मैच के 23वें मिनट में लीमा टेरेंसा ने फील्ड गोल करके स्पेन को 1-1 की बराबरी दिला दी। मध्योत्तर तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। तीसरा क्वार्टर भी गोलरहित रहा, हालाँकि चौथे क्वार्टर में भारत ने बहुत लेने की कोशिश में आक्रामक कदम उठाने शुरू कर दिये, जिसका फायदा भी टीम को मिला। मैच के अंतिम क्वार्टर में सांछी राणा (47%) ने बेहतरीन फील्ड गोल कर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद, स्पेन ने बराबरी की तलाश में जवाबी हमला किया, लेकिन भारतीय टीम के डिफेंस ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्पेन के हर हमले को नफ़ाक़ा कर दिया और अंत में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की।

हकी : गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज ने नार्दन रेलवे को हराया

लखनऊ। हकी लीग सीनियर चैंपियनशिप में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज ने नार्दन रेलवे को हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में साई ने स्पोर्ट्स हास्पल लखनऊ को 2-0 से म्ता दे दी। नार्दन रेलवे और गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज के बीच हुए मैच में 11 मिनट तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। 12वें मिनट में नार्दन रेलवे ने एक गोल कर बहुत बना ली। इसके बाद दोनों टीमों के बीच कसम-कस चलता रहा और 22वें मिनट में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज की टीम ने एक गोलकर बराबरी कर ली। इसके बाद फिर 35वें मिनट में एक गोल कर बहुत बना ली। इसके बाद 41वें मिनट में एक और गोल दागकर गुरु गोविंद सिंह की टीम ने मैच को तीन-एक से जीत लिया। वहीं दूसरे मैच में 18 मिनट तक दोनों टीम के बीच कसमकस चलता रहा, लेकिन 19वें मिनट में साई ने एक गोल दाग दिये। इसके बाद पुनः 37वें मिनट में एक गोलकर 2-0 से मैच को जीत लिया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के पहले ही दौर से बाहर हुई पीवी सिंधु

कोपेनहेगन। भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2023 के पहले दौर से ही बाहर हो गई हैं। टूर्नामेंट में 16वीं वरियता प्राप्त खिलाड़ी सिंधु दूसरे गेम में 9-0 की बढ़त के ख़ाजूद गैर वरीय नोजोमी ओकुहारा से सीधे गेम में 21-14, 21-14 से हार गईं। ठीक एक दशक पहले 17 साल की उम्र में अपना पहला पदक जीतने के बाद से यह विश्व चैंपियनशिप में पहले दौर में उनकी पहली हार है। वह जनवरी में पांच महीने की चोट के बाद वापसी के बाद से लगातार संघर्ष कर रही हैं। वहीं, पीवी सिंधु और नोजोमी ओकुहारा के बीच कभी भी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में दूसरे दौर का मैच नहीं होता। ये दोनों पहले ही दो विश्व चैंपियनशिप फ़ाइनल में भिड़ चुकी हैं और दोनों एक दूसरे को हराकर विश्व चैंपियन बने थे। मैच के बाद सिंधु ने कहा, मैं अपनी शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर बहुत काम कर रही हूँ क्योंकि मुझे पता है कि इस तरह के मैच आपको बहुत बुरा महसूस कराते हैं लेकिन यह सब खेल और जीवन का हिस्सा है, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं वापस जाऊँ और अच्छी तरह से तैयारी करूँ और अगली चैंपियनशिप में मजबूत होकर वापसी करूँ।

साई द्वारा विदेशी प्रशिक्षण प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद बजरंग, दीपक विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने पहलवान बजरंग पुनिया और दीपक पुनिया दोनों एथलीटों से वांछित फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद, विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल में भाग लेने और एशियाई खेलों तक विदेश में प्रशिक्षण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) चाहता है कि ओलंपिक-पदक विजेता पहलवान बजरंग अपर पटियाला में इस समाह के अन्धस से छूट चाहते हैं तो विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में भाग लें या फिटनेस प्रमाणपत्र प्रदान करें। बजरंग और दीपक दोनों 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में भाग लेने के लिए इच्छुक नहीं हैं, इसके बजाय वे एशियाई खेलों की तैयारी के लिए लंबे प्रशिक्षण को प्राथमिकता दे रहे हैं। साई ने



विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट और स्पोर्ट्स पार्टनर के साथ 21 अगस्त से 28 सितंबर तक क्विंटाना में प्रशिक्षण लेने के बजरंग के प्रस्ताव को कुरती उप-समिति की बैठक में चर्चा के लिए रखा गया था। वहीं, ओलंपियन

जिम्बाब्वे के क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का 49 साल की आयु में निधन

हरारे। टीम जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और आलराउंडर हीथ स्ट्रीक नहीं रहे। कैंसर से जूझ रहे हीथ ने 49 साल की आयु में 22 अगस्त को अंतिम सांस ली। स्ट्रीक ने जिम्बाब्वे के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 65 टेस्ट और 189 वनडे मैच खेले हैं। स्ट्रीक को कोलन और लिवर कैंसर था। उनका इलाज दक्षिण अफ्रीका में चल रहा था।



हीथ स्ट्रीक के नाम टेस्ट क्रिकेट में कुल 216 विकेट दर्ज हैं। इस दौरान उन्होंने 16 बार एक पारी में चार विकेट जबकि सात बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। वनडे क्रिकेट में भी हीथ स्ट्रीक का रेंज के साथ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। हीथ स्ट्रीक ने 50 ओवर

अर्धशतक लगाए, वहीं वनडे में उनके नाम 13 अर्धशतकीय पारी दर्ज हैं। वर्ष 2000 में जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने हीथ स्ट्रीक को टेस्ट और वनडे दोनों टीमों का कप्तान नियुक्त किया था। स्ट्रीक की कप्तानी में जिम्बाब्वे ने 21 टेस्ट मैचों में से चार में जीत हासिल की। बाकी 11 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। छह मैच जीतें। वनडे में स्ट्रीक ने 68 मैचों में टीम की कप्तानी की और इसमें से 47 में हार मिली। बाकी 18 मैच टीम ने अपने नाम किए। स्ट्रीक को कई पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों ने एक्स (पूर्व ट्वीट) के जरिए याद किया है। इनमें भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने बनाया सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड, पाकिस्तान ने 37 साल बाद किया यह कारनामा

हंबनटोटा। हंबनटोटा के मैदान पर एशिया कप से पहले अफगानिस्तान से भिड़ रही पाकिस्तान टीम ने पहले वनडे में जबरदस्त सफलता हासिल की है। हालाँकि पाकिस्तान पहले खेलते महज 201 रन ही बना पाई थी। लेकिन उसके गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को महज 59 रन पर ढेर कर अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी। अफगानिस्तान के लिए यह पाकिस्तान के खिलाफ बनाया गया सबसे न्यूनतम स्कोर था। वैसे भी पाकिस्तान के खिलाफ यह किसी भी टीम का न्यूनतम

स्कोर है। पाकिस्तान के खिलाफ सबसे न्यूनतम स्कोर 59 अफगानिस्तान, हंबनटोटा (2023) 64 न्यूजीलैंड, शारजाह (1986) 67 जिम्बाब्वे, गुवाहाटी (2018) 74 न्यूजीलैंड, शारजाह (1990) 78 श्रीलंका, शारजाह (2002) आंकड़े साफ हैं कि पाकिस्तान ने 1986 में न्यूजीलैंड को 64 रन पर ऑलआउट किया था जो अब तक का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अब इस रिकॉर्ड में अफगानिस्तान की पट्टी हो चुकी है।



5 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने हरिस रऊफ ने पोस्ट

मैच प्रेजेंटेशन के दौरान कहा- मैं अच्छा महसूस कर रहा हूँ, विशेष रूप से परिस्थितियों का उपयोग करने और इसका अधिकतम लाभ उठाने की आज कोशिश की थी। यह कम स्कोर वाला गेम था। लेकिन एक गेंदबाजी इन्वर्स के रूप में हमें विश्वास था कि हम कठिन लेंथ के जाएँ और विकेट हासिल करें। उन्होंने (शाहीन) वास्तव में अच्छी शुरुआत की और इससे मुझे गेंदबाजी में आने से पहले आत्मविश्वास मिला। जब मैं गेंदबाजी कर रहा होता हूँ तो ध्यान गति पर नहीं होता है और मैं बस उसे वहीं डालने की कोशिश करता हूँ जहाँ मैं उसे डालना चाहता हूँ।

च की बात करें तो पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए इमाम उल हक के 61 तो शादाब खान के 30 रनों बटौलत 201 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के मुजीब 33 रन देकर तीन विकेट निकालने में सफल रहे थे। जबकि राशिद और नबी की भी 2-2 विकेट मिले थे। जवाब में खेलने खती अफगानिस्तान की टीम 59 रन पर ऑलआउट हो गई। इब्राहिम जादरान, रहमान शाह, कप्तान शहिदी, राशिद खान तो शुरुआत नहीं खोल पाए। हरिस ने पांच, शाहीन अफरीदी ने 2 तो नसीम शाह ने एक विकेट लिया।

इूरंड कप : 24 से 27 अगस्त तक खेले जाएंगे क्वार्टर-फाइनल मैच

कोलकाता। 132वें इंडियन आयल इूरंड कप के क्वार्टर-फाइनल मैचों के कार्यक्रम की गोपना स्थानीय संगठन समिति द्वारा एक वचुअल मीटिंग में की गई। टूर्नामेंट के क्वार्टर-फाइनल मैच 24 से 27 अगस्त तक खेले जाएंगे। इस मीटिंग में क्वार्टरफाइनल में पहुंची आठ टीमों के प्रतिनिधि भी थे। बदलते मौसम की अमुविधाओं के कारण, बदलती खेलने की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रथम क्वार्टर-फाइनल को कोकाशार से गुवाहाटी स्थानांतरित करने का निर्णय भी लिया गया। टूर्नामेंट का पहला क्वार्टर फाइनल मैच 24 अगस्त को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम, गुवाहाटी में एफ.सी. गोवा और चेन्नईन एफ.सी. के बीच खेला जाएगा, जबकि चौथा क्वार्टर-फाइनल मैच 27 अगस्त को विवेकानंद युवा भारती किरंगन,

कोलकाता में मोहन बगान सुपर जायंट्स और मुंबई सिटी एफ.सी. के बीच खेला जाएगा।



खेला जाएगा। टूर्नामेंट का तीसरा क्वार्टर-फाइनल मैच 26 अगस्त को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम, गुवाहाटी में एफ.सी. गोवा और चेन्नईन एफ.सी. के बीच खेला जाएगा, जबकि चौथा क्वार्टर-फाइनल मैच 27 अगस्त को विवेकानंद युवा भारती किरंगन,

बता दें कि इूरंड कप के 132वें संस्करण की शुरुआत 03 अगस्त 2023 को हुई थी और समापन 03 सितंबर 2023 को विवेकानंद युवा भारती किरंगन में होगा। इस साल टूर्नामेंट में 24 टीम ने भाग लिया, जिसमें बांग्लादेश और नेपाल दो विदेशी टीम भी थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए न्यूजीलैंड ए टीम घोषित, एजाज पटेल, टिम सेफर्ट शामिल

बेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए न्यूजीलैंड ए टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम में सलत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। इस दौरे पर न्यूजीलैंड ए की टीम ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी चार दिवसीय मैच और तीन 50 ओवर के मैच खेलेगी। दौरा 31 अगस्त से शुरू होगा। 28 अगस्त में बिस्वने के एनन बॉर्डर फील्ड में खूब होने वाले पहले चार दिवसीय मैच से पहले टीम 24 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। टिम सेफर्ट, टॉम ब्रक्स, जैकब डफी, स्कॉट कुगलेइजन और एजाज पटेल के साथ आदि अशोक और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, जिन्होंने हाल ही में दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अपना पूर्ण अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया, ऑस्ट्रेलिया ए का सामना करने के लिए चुने गए सात अंतरराष्ट्रीय

फैण्ड खिलाड़ी हैं। अशोक और फॉक्सक्रॉफ्ट इंग्लैंड में ब्लैककैप्स खर्म-अप मैचों में शामिल होने के बाद मैके में दूसरे प्रथम श्रेणी मैच के लिए टीम में शामिल होंगे, जबकि सेफर्ट ऑसिन दो एक दिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे। निक केली और जोश क्लार्कसन को पहली बार न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया

गया है। न्यूजीलैंड ए की टीम इस प्रकार है: मुहम्मद अम्बास, आदि अशोक, टॉम ब्रक्स (कप्तान), लियो क्वार्टर, जोश क्लार्कसन, हेनरी कूपर, जैकब डफी, कैम पलेचर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, स्कॉट कुगलेइजन, विल ओ रुके, एजाज पटेल, मइकल राय, ब्रेट राउडेल, टिम सेफर्ट, सीन सेल्लिवा।



इंग्लैंड के कोच ने वर्ल्ड कप 2023 के चुने सेमीफाइनलिस्ट, पाकिस्तान को किया बाहर

लंदन। आईसीसी विश्व कप 2023 अब बस कुछ ही हफ्ते दूर है। क्रिकेट का महाकुंभ 5 अक्टूबर से भारत में शुरू होगा और फाइनल 19 नवंबर को होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच बर्लीकबस्टर मुकाबले से होगी। लेकिन इससे पहले भविष्यवाणियों का दौर शुरू हो गया है और न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने सेमीफाइनल के लिए चार टीमों को शॉट लिस्ट किया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसमें पाकिस्तान टीम शामिल नहीं है। भारत में अहमदाबाद, चेन्नई, लखनऊ, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, धर्मशाला और हैदराबाद में 10 स्थान खेलों की मेजबानी करेंगे। यह टूर्नामेंट 2011 के बाद पहली बार भारत में होगा और इसमें कुल 48 मैच होंगे और 10 टीमों खिताब के लिए भिड़ेंगी। आईसीसी विश्व कप 2023 नजदीक आने के साथ इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट कोच ने भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को चार टीमों के रूप में चुना है। जिस बात ने कई लोगों का ध्यान खींचा



वह यह भी कि उन्होंने पाकिस्तान को छोड़ दिया। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम को लगभग हर विशेषज्ञ ने चुना है। अपने गेंदबाजी आक्रमण के कारण मैं इन ग्रीन टूर्नामेंट जीतने के प्रबल दावेदार होंगे लेकिन बाज के लिए वे सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेंगे।

ब्रेंडन मैकुलम के विश्व कप 2023 के लिए सेमीफाइनलिस्ट: भारत (निश्चय रूप से कहा) इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड

‘फॉर्म महत्वपूर्ण है’, गंभीर ने तिलक वर्मा को एशिया कप टीम में शामिल कर पर दिया बयान

नई दिल्ली। एशिया कप के लिए चुनी गई टीम में युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भी शामिल किया है। तिलक ने अभी तक एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है, लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के नाते वह मध्यक्रम में महत्वपूर्ण मिश्रण ला सकते हैं। गंभीर ने हालाँकि टीम में बाएं हाथ के खिलाड़ियों से जुड़ी बहस को खारिज किया और

फॉर्म के आधार पर टीम चुनने पर जोर दिया। गंभीर ने कहा, ‘अगर उन्हें (तिलक वर्मा) चुना गया है, तो बेशक उसे खेलने के लिए कुछ मैच मिलने चाहिए। अगर उसे खेलने का मौका मिलता है और वह अन्य बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन करता है, तो आपको उसे टीम में जरूर लेना चाहिए। जैसा कि मैंने पहले कहा है, फॉर्म महत्वपूर्ण है। वह बहस कि



कोन बाएं हाथ का है या दाएं हाथ का, या हमें तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों की जरूरत है, एक बेकार बहस है। हम गुणवत्ता देखते हैं, हम यह नहीं देखते कि टीम में कितने बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं। और हो कि रोहित शर्मा और टीम चयनकर्ता अजीत अगरकर ने सोमवार को प्रेस क्वार्ट के दौरान एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम की

घोषणा की। टीम में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है जो चोटिल थे। वहीं खराब फॉर्म से गुजर रहे सुर्यकुमार यादव को भी टीम में शामिल किया गया है। वहीं संजु सैमसन जिनके लिए वेस्टइंडीज दौरा खराब गया था, को ट्वेंकल स्टैंडबाय के रूप में शामिल किया गया है।

फास्ट न्यूज

विशाल मेगा मार्ट में लगी आग

लखनऊ: विकास नगर थाना क्षेत्र स्थित विशाल मेगा मार्ट में बुधवार को आग लग गई। इसे बुझाने अग्निशमन की पांच गाड़ियों की मदद से दमकल कर्मचारियों ने काफी मशक्कत की। आग से लाखों का नुकसान हुआ है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) ने बताया कि विकास नगर रिंग रोड स्थित जगरानी अस्पताल के पास विशाल मेगा मार्ट है। रोजाना की तरह बुधवार को मॉर्ट खुला हुआ था। अचानक दूसरे तल में आग लग गई, जिससे मार्ट में अफरा-तफरी मच गई। आग ने विकराल रूप धारण करते हुए फूड स्टॉल को भी चपेट में ले लिया। लोगों ने पुलिस और दमकल की सूचना दी। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग को बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। बिल्डिंग में धुआं भरने से आग बुझाने में दमकल कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कर्मचारी आकाश पटेल और आराधना ने बताया कि मार्ट के बाहर खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई थी। धमाके से मार्ट के बोर्ड में आग लगने के बाद पूरे शो-रूम में आग फैल गई। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग बुझाने के लिए मिट्टी और फायर फायटिंग इक्विपमेंट का इस्तेमाल किया गया।

भूपेश सरकार में महिलाएं त्रस्त : श्रीनिवासन

रायपुर: भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन ने कहा है कि भाजपा महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी-कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुकी हैं। श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शक्ति केंद्रों तक जाकर हर एक महिला से संपर्क किया जाएगा और उनको केन्द्रीय योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ व देशभर में एक करोड़ महिलाओं से संपर्क करने का लक्ष्य तय किया गया है। सितंबर के महीने से विभिन्न जनसंपर्क अभियान एवं युवती सम्मेलनों के तहत छत्तीसगढ़ की हर विधानसभा के विभिन्न वर्गों की महिलाओं से भाजपा महिला मोर्चा संपर्क साधेगा। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवासन ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भारत आविष्कारों एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की उन्नति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से चर्चा करते हुए श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि महिला मोर्चा की सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के विकास एवं सशक्तिकरण के लिए जो भी कार्य हुए हैं, उनको गांव एवं शहर, हर स्तर पर महिलाओं तक पहुंचाएंगी। सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश में युवा महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन टीटमेंट देने की शुरुआत की है। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य को भी चुना गया है जिससे छत्तीसगढ़ की महिलाओं में इस बीमारी से बचने के लिए एक बहुत ही सशक्त पहल है।

तैयारियां पूरी

प्रतियोगिता परीक्षा में, प्रशासन ने की पूरी तैयारी

बिहार: 30 परीक्षा केंद्रों पर 12,856 परीक्षार्थी होंगे अध्यापक

परीक्षा केंद्र

टीम एक्शन इंडिया/अररिया अररिया जिला के 30 परीक्षा केंद्रों पर होने वाले प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय अध्यापक प्रतियोगिता परीक्षा में 12,856 परीक्षार्थी शामिल होंगे। अररिया में जहां 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, वहीं फारबिसगंज अनुमंडल में 7 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रथम पाली में 11768 एवं द्वितीय पाली में 1088 अर्थात कुल 12856 परीक्षार्थी भाग लेंगे। परीक्षा 24 और 25 अगस्त को आयोजित होना है और इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी को अंतिम रूप



दिया जा रहा है इसी कड़ी में समाहरणालय स्थित परमाणु सभागार में बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता विशेष कार्य पदाधिकारी देवेन्द्र प्रताप शाही ने की। बैठक में सभी केन्द्राधीक्षक, स्टैटिक दण्डाधिकारी-सह-प्रेक्षक, जूनल दण्डाधिकारी-सह-गस्तीदल

दण्डाधिकारी, उड़नदस्ता दल, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, समादेश, गृह रक्षा वाहिनी, सभी पुलिस पदाधिकारी, करीय कोषागार पदाधिकारी एवं परीक्षा से सम्बद्ध सभी पदाधिकारियों ने भाग लिया बैठक में प्रतिनियुक्त

डि> बिहार लोक सेवा आयोग से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुपालन हरहाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं परीक्षा से सम्बद्ध सभी पदाधिकारियों तथा केन्द्राधीक्षकों को शांतिपूर्ण परीक्षा के आयोजन के मद्देनजर कई आवश्यक जानकारी दी गई। बिहार लोक सेवा आयोग से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुपालन हरहाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उद्योगों की बिजली काट कृषि उपभोक्ताओं को मिले निर्बाध विद्युत आपूर्ति: सीएम



टीम एक्शन इंडिया/जयपुर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही कृषि के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के हरसंभव प्रयास कर रही है, ताकि हमारे किसानों को सिंचाई में परेशानी उठानी नहीं पड़े। गहलोत ने मंगलवार देर रात तक मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अघोषित बिजली कटौती नहीं की जाए। यदि कटौती अपरिहार्य हो, तो इसकी समुचित सूचना प्रभावित होने वाले क्षेत्र के लोगों को पूर्व में ही दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जून-जुलाई में बारिश अच्छी होने के कारण फसलों की बुवाई ऐतिहासिक रूप से बढ़ी।

वहीं, अगस्त में बारिश की कमी से सिंचाई के लिए बिजली की मांग भी बढ़ गई। साथ ही, छत्तीसगढ़ से भी कोयले की आपूर्ति नहीं होने, गर्मी की वजह से घरेलू उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने सहित

न हो परेशानी

डि> यदि कटौती अपरिहार्य हो, तो इसकी समुचित सूचना प्रभावित होने वाले क्षेत्र के लोगों को पूर्व में ही दी जाए

अन्य कारणों से बिजली की मांग और आपूर्ति में बड़ा अंतर आया है। 10 अगस्त से लगातार लगभग 3300 लाख यूनिट बिजली उपलब्ध करवायी जा रही है, जो कि एक रिकॉर्ड है। गत वर्ष अगस्त माह में औसत खपत लगभग 2300 लाख यूनिट ही थी, परंतु इस वर्ष अचानक विद्युत भार बढ़ने के कारण ट्रांसफॉर्मर ट्रिपिंग की समस्या का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि अगस्त में राज्य में ही नहीं बल्कि पूरे उत्तरी भारत में बिजली की मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत उपलब्धता के लिए महंगी दर पर भी बिजली खरीदने को तैयार है।

नासिक: एपीएमसी में प्याज की नीलामी आज से

टीम एक्शन इंडिया/नासिक महाराष्ट्र के नासिक जिले में सभी एपीएमसी में प्याज की नीलामी गुरुवार से फिर शुरू होगी। प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाए जाने का विरोध कर रहे व्यापारियों ने आंदोलन वापस लेने का फैसला किया है। व्यापारियों के एक प्रतिनिधि ने बुधवार को यह जानकारी दी। केन्द्रीय मंत्री डॉ. भारती पवार के साथ बुधवार को यहां व्यापारियों-निर्यातकों और किसानों के प्रतिनिधियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। नासिक में व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के



बाद लिया गया फैसला: बैठक के बाद पवार ने यह भी कहा कि नासिक में व्यापारियों के एक प्रतिनिधि ने बैठक में सूचित किया कि वे कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) में प्याज की नीलामी बंद करने के फैसले को वापस ले रहे हैं और वहां से

परिचालन शुरू होगा। उन्होंने कहा, "40 प्रतिशत निर्यात शुल्क के बारे में हम केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने और इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध करेंगे।" केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री पवार नासिक के डिंडोरी से सांसद हैं। एशिया की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी के रूप में जानी जाने वाली लासलगांव एपीएमसी सहित नासिक में अधिकांश एपीएमसी में प्याज की नीलामी बंद कर दी गई है क्योंकि व्यापारी प्याज पर निर्यात शुल्क में वृद्धि के खिलाफ हैं।

कार्यप्रणाली

डि> यूपी की माटी की महक दुनिया में महकाने वाले खिलाड़ियों को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से नौकरी मिली

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ खेलों में भी यूपी की अब अलग पहचान बन चुकी है। पदक लाने वाले खिलाड़ियों को योगीराज में यहां भी राजपत्रित अधिकारी के रूप में नौकरी मिल रही है। सीएम योगी की निष्पक्ष कार्यप्रणाली व अपनी खेलों-प्रतिभा की बदैलत यूपी की माटी की महक दुनिया में महकाने वाले खिलाड़ियों को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से नौकरी मिली। यूपी के खिलाड़ी हों या राज्य से बाहर के,



सिर्फ और सिर्फ खेल में प्रदर्शन ही उनके चयन का आधार बना। नियुक्ति पत्र पाने वाले 233 आरक्षियों ने सीएम योगी के नेतृत्व में हुई निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की न सिर्फ सराहना की, बल्कि विश्वास भी दिलाया कि नौकरी के जरिए

जरूरतमंदों को न्याय दिलाएंगे और खेल के जरिए यूपी का मान बढ़ाएंगे। आंध्र प्रदेश, केरल, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों के खिलाड़ी भी यूपी का हिस्सा बनें। जुलाई में भी 227 आरक्षियों को

खेल कोटे से मिला था नियुक्ति पत्र : सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगातार दो महीने (जुलाई व अगस्त) खेल कोटे से आरक्षियों को नियुक्ति पत्र देकर यूपी पुलिस की नौकरी से जोड़ा। 23 अगस्त को मुख्यमंत्री ने लोकभवन में उत्तर प्रदेश

'हर खेलों में यूपी के लिए आएंगे पदक'

उत्तराखंड की रहने वाली खिलाड़ी तनु मलिक ने कहा कि भर्ती के माध्यम से सभी को एकत्र किया गया। जिस प्रकार खेलों में हम सभी ने अभी तक प्रदर्शन किया। कोशिश रहेगी कि विभिन्न खेलों के खिलाड़ी

पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कुशल खिलाड़ी कोटे में चयनित 233 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र दिया तो इसके पहले 8 जुलाई को भी मुख्यमंत्री ने 227 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। यही नहीं, 6 जुलाई को भी मुख्यमंत्री ने खेल के इतर लोकभवन में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 1148 पदों पर नियुक्ति पत्र दिया था। यूपी में किसी प्रकार का भेदभाव

आने वाले समय में भी उसी प्रकार प्रदर्शन कर पदक लाकर यूपी का गौरव बढ़ाते रहें। यह सत्य है कि यूपी में निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया के तहत ही युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

नहीं हुआ: हरियाणा निवासी जतिन जूडो के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। साउथ अफ्रीका में हुए कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप-2023 जतिन ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा कि खेल कोटे से उन्हें नौकरी मिली। यूपी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं हुआ। इससे अच्छे खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिला। विश्वास दिलाते हैं कि यूपी के खिलाड़ी आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर मेडल लाएंगे।

योगी जैसी सरकार किसी प्रदेश में नहीं: नवचर्चित राजस्थान के मूल निवासी दिनेश चौधरी ने कहा कि योगी जैसी सरकार किसी प्रदेश में नहीं है। निष्पक्ष भर्ती हुई है और सबके सामने पारदर्शिता से कार्य हुआ है। भेदभाव जैसी चीज यहां बिल्कुल भी नहीं है। हमें सिर्फ और सिर्फ अपने चयन के आधार पर ही नौकरी मिली। यह बड़ी बात है। प्रदर्शन ही चयन का मानक बना तो यह सिर्फ योगीराज में ही संभव है। यूपी के देवरिया निवासी रोडिंग खिलाड़ी शोभित पांडेय ने कहा कि निष्पक्ष भर्ती के कारण ही अच्छे खिलाड़ी निकलकर आए हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि यूपी के लिए पदक लाने के साथ लोगों को न्याय मिले। हम यूपी के लिए निरंतर खेलों में पदक लाते रहेंगे और अपने गांव-प्रदेश का नाम बढ़ाते रहेंगे।

जांच एजेंसियों के जरिये कांग्रेस नेताओं को डरा रही है केंद्र सरकार

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार आगामी चुनावों में हार से घबराकर जांच एजेंसियों से कांग्रेस नेताओं को परेशान करवा रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा और पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाकार सहित कुछ अन्य लोगों के घरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर आपर्ति जताई है। छत्तीसगढ़ में आज की जा रही ईडी छापेमारी हार से घबराई हुई भाजपा करवा रही है। पिछले कुछ दिनों में कई संघों में भाजपा की भारी हार दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के पीछे छत्तीसगढ़ की जनता

आरोप

डि> छत्तीसगढ़ में आज की जा रही ईडी छापेमारी हार से घबराई हुई भाजपा करवा रही है: खेड़ा

की ताकत है। हमें डराया नहीं जा सकता। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने भी पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए लिखा, "मेरे जन्मदिन के दिन आपने मेरे राजनीतिक सलाहकार एवं मेरे ओएसडी सहित करीबियों के यहां ईडी भेजकर जो अमूल्य तोहफा दिया है, इसके लिए बहुत आभार।"







Capacity : 36000 Copies per Hour
16 Broad Sheet Pages in One Go

THE PRINTING HUB COMPLETE CTP UNIT BASYS PRINT



Corporate Office : A-15, G. T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033
Phone : +91-9999889104, +91-9250706656, +91-11-47502546